अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 216 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | शनिवार 31 जुलाई 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

आप सभी टैलेंट के पावरहाउस हैं

पीएम मोदी ने थपथपाई 12वीं पास करने वाले छात्रों की पीठ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई की 12वीं का परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परीक्षा में शामिल होने वाले सभी परीक्षाथिर्यों का हौसला बढ़ाया है। शुक्रवार को परीक्षा परिणाम आने के बाद उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि, उन्हें उन सभी विद्याथिर्यों पर गर्व है, जो सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, परीक्षा पास करने वाले मेरे सभी युवा दोस्तों को ढेर सारी बधाइयां। आपको सुनहरे, खुशहाल और स्वस्थ भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं। युवा छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने उन्हें टैलेंट का पॉवरहाउस बताया। गौरतलब है कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 12वीं का रिजल्ट शुक्रवार को जारी हुआ। इस साल 99.37 फीसदी छात्रों ने इस परीक्षा में बाजी मारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे लिखा कि अगर किसी को ऐसा लगता है कि वह और ज्यादा मेहनत कर सकते थे। या वह और ज्यादा नंबर पा सकते थे तो मैं उनसे बस एक ही बात कहूंगा। अपने अनुभव से सीखिए और अपना मस्तक ऊंचा रखिए। पीएम ने आगे इन छात्रों का भविष्य के लिए हौसला बढ़ाते हुए लिखा, एक सुनहरा और ढेर सारे अवसर लिए भविष्य आपका इंतजार कर रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि आप सभी प्रतिभा की खान हैं। साथ ही उन्होंने छात्रों से और बेहतर करने की उम्मीद जताते हुए कहा कि आप सभी के लिए मेरी ढेरों शुभकामनाएं।

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के भाषण के लिए मांगे युवाओं से सुझाव, कहा- 'लाल किले से गूंजेंगे आपके विचार'

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषम के लिए युवाओं से उनके विचार और सुझाव मांगे हैं। पीएम मोदी पिछले कुछ सालों से ही ऐसा करते आ रहे हैं।असल में पीएम मोदी युवाओं से उनके विचार मांग कर उन्हें ध्यान में रखते हुए लाल किले सए अपने भाषण देते हैं। यह उनकी एक पहल है जिसमें वह देश के युवाओं के विचारों को अपने भाषण में जगह देते हैं। पीएम मोदी ने देश के युवाओं से कहा है कि आपके विचार लाल किले से गूजेंगे। 15 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के लिए विचारों और सुझावों का आह्वान करते हुए उन्होंने ट्वीट कर लिखा, ङ्घआपके विचार लाल किले की प्राचीर से गूंजेंगे। 15 अगस्त को पीएम @nareåramûd के भाषण के लिए आपके क्या इनपुट हैं? उन्हें @mygoviåia पर साझा करें।

प्रधानमंत्री ने इस साल सीबीएसई बोर्ड की 12वीं की परीक्षा में हिस्सा लेने वाले छात्रों की विशेष तौर पर तारीफ की। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि इस साल हालात बहुत ज्यादा विपरीत थे। पूरे साल शिक्षा जगत ने बहुत सारे बदलावों का सामना किया।

भारत को दहलाने की साजिश, जम्मू में मंदिरों पर अटैक करने की फिराक में हैं आतंकी संगठन, हाई अलर्ट जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन भारत में बड़ी आतंक घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों मसलन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने के लिए मंदिरों पर हमले की योजना बना रहे हैं।

इस बारे में खुफिया एजेंसियों से इनपुट मिलने के बाद जम्मू में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि पूरे शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बता दें कि जम्मू को मंदिरों का शहर कहा जाता है। यहां रघुनाथ मंदिर, बावे लाली माता सहित सैकड़ों प्राचीन मंदिर हैं और रघुनाथ मंदिर पर पहले भी आतंकी हमला हो चुका है। अंग्रेजी वेबसाइट इंडिया टुडे ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि आतंकवादी संगठन 5 अगस्त और 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जम्मू में मंदिरों को निशाना बनाने का प्रयास कर सकते हैं। बता दें कि 5 अगस्त आर्टिकल 370 के खात्मे की दूसरी वर्षगांठ है और आतंकी संगठन इस मौके पर भारत को दहलाने की फिराक में हैं।

सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन द्वारा आईईडी गिराए जाने की हाल की कुछ घटनाओं ने इशारा किया है कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन जम्मू में मंदिरों के पास भीड़-भाड़ वाली जगहों पर बड़ा विस्फोटक करने की कोशिश कर रहे हैं।

नॉर्थ ब्लॉक यानी रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इंडिया टुडे को बताया कि बीते दिनों आतंकी साजिश के कम से कम तीन पिछले प्रयासों को नाकाम कर दिया गया है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि ड्रोन का इस्तेमाल आईईडी लाने के लिए किया गया है ताकि घाटी में मौजूद उनके आतंकी उन्हें लगा सके और हमले को अंजाम दे सके।ता दें कि हाल ही 23 जुलाई को में जम्मू और कश्मीर के कनाचक इलाके में एक ड्रोन को मार गिराया गया था और उसके साथ विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। इस ड्रोन से पांच किलोग्राम विस्फोटक बरामद किए गए थे। इसके अलावा, फरवरी में जम्मू शहर के व्यस्त बस स्टैंड के पास सात किलो का एक आईईडी बरामद किया गया था। हालांकि, इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया गया। आतंकी साजिशों का पता इस बात से भी लगता है कि बीते 27 जून को जम्मू वायु सेना स्टेशन के तकनीकी क्षेत्र में एक ड्रोन द्वारा विस्फोट किया गया था।

देश के 63 जिलों में नहीं है एक भी ब्लड बैंक, केंद्र सरकार ने संसद में बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कुल 3,500 लाइसेंस प्राप्त ब्लड बैंक हैं, लेकिन 63 जिले ऐसे भी हैं, जहां एक भी ब्लड बैंक मौजूद नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। देश के हर जिले में एक ब्लड बैंक स्थापित किए जाने को लेकर उठाए गए या प्रस्तावित कदमों की जानकारी देते हुए मांडविया ने कहा कि नेशनल ब्लड बैंक पॉलिसी के मुताबिक, हर जिले में एक ब्लड बैंक जरूरी है, जबकि इससे भी बचना है कि शहरी और अर्ध शहरी इलाकों में ही ना भरमार हो।पॉलिसी में ट्रांसफ्यूजन सर्विस के लिए हब और स्पोक रुख की वकालत की गई है। हब में जहां खून को एकत्रित और प्रोसेस किया जाता है जबकि इन्हें स्पोक्स के जरिए वितरित किया जाता है। ये छोटे ब्लड बैंक या ब्लड स्टोरेज सेंटर होते हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने संसद को लिखित जवाब में बताया, "देश में 63 जिले बिना किसी ब्लड बैंक के हैं। मांडविया ने कहा, "विभिनन्‍प्रशासनिक वजहों से राज्य सरकारें नई जिलों का गठन करती हैं। हालांकि, ऐसे जिलों में खून की आवश्यकता तो पड़ोसी जिलों से ब्लड स्टोरेज सेंटर्स के जरिए पूरा किया जाता है, जिन्हें कम्युनिटी हेल्थ सेंटर्स और प्राइमरी हेल्थ सेंटर्स में बनाया जाता है।"

'दिल्ली चलो' मोड में ममता दीदी, हर दो महीने पर देंगी दस्तक, 2024 के लिए दिया यह नारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पांच दिनों तक दिल्ली में विपक्षी लामबंदी के बाद पश्चिम बंगाल लौटने से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐलान किया है कि वह हर दो महीने पर राजधानी में धमक दिखाएंगी। 2024 में पीएम मोदी के खिलाफ विकल्प बनने की कोशिश में जुटीं ममता ने 'लोकतंत्र बचाओ, देश बचाओ' का नारा दिया है। बंगाल में लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद दिल्ली के पहले दौरे को सफल बताते हुए ममता ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक उद्देश्यों से मुलाकातें की हैं और लोकतंत्र जारी रहना चाहिए।

ममता बनर्जी ने 5 दिन के दौरे पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल सहित विपक्ष के कई नेताओं से मिलीं तो एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार से फोन पर बात की। ममता ने विपक्षी नेताओं के साथ 2024 में बीजेपी को सत्ता से हटाने के लिए रणनीति बनाई। हालांकि, उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की। ममता बनर्जी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी के आक्रामक चुनावी अभियान का सफलतापूर्वक सामना किया और भगवा पार्टी को 77 सीटों तक रोकने में कामयाब रहीं। बीजेपी ने यहां 200 से अधिक सीटों पर जीत का दावा किया था और पीएम मोदी सहित बीजेपी के अधिकतर नेताओं ने सघन प्रचार अभियान से टीएमसी को चिंतित कर दिया था।

प्रयागराज रीजन ने बनाया रिकार्ड, 98.59 फीसदी रिजल्ट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के प्रयागराज रीजन ने इस बार रिजल्ट में नया रिकार्ड कायम किया। रीजन के इतिहास में पहली बार बारहवीं की परीक्षा में सर्वाधिक 98.59 फीसदी छात्र-छात्राओं को सफलता मिली। पिछले साल की तुलना में इस बार का परिणाम 16.10 फीसदी अधिक रहा। हमेशा की तरह इस बार भी बेटियों ने बाजी मारी। छात्राओं का परिणाम छात्रों के मुकाबले 0.93 फीसदी अधिक रहा। सीबीएसई प्रयागराज रीजन के तहत 52 जिलों में 1219 स्कूलों के एक लाख 37 हजार 667 छात्र-छात्राएं बारहवीं की परीक्षा के लिए पंजीकृत थे। प्रयागराज रीजन के तहत इन 52 जिलों में 98.59 फीसदी परीक्षाथिर्यों ने सफलता अर्जित की। छात्रों का रिजल्ट 98.24 फीसदी रहा, जबकि छात्राओं का परिणाम इससे बेहतर 99.17 फीसदी रहा। पिछले साल भी 12वीं में 79.89 फीसदी छात्रों के मुकाबले 86.89 फीसदी छात्राएं उत्तीर्ण हुई थीं और छात्राओं का रिजल्ट सात फीसदी अधिक था। पिछले कुछ वर्षों की बात करें तो प्रयागराज रीजन के तहत बारहवीं की परीक्षा में छात्र-छात्राओं की सफलता का ग्राफ लगातार बढ़ा है। वर्ष 2019 में 75.36 फीसदी छात्र-छात्राओं को सफलता मिली थी, वर्ष 2020 में 82.36 फीसदी परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए थे और इस बार सफलता प्राप्त करने वाले विद्याथिर्यों का रिजल्ट 98.59 फीसदी रहा।

धनबाद में जज की संदिग्ध मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया संज्ञान, झारखंड सरकार से एक हफ्ते में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने धनबाद के जज की मौत पर स्वतः संज्ञान लिया है और झारखंड पुलिस से जानकारी मांगी है। ण्व्च रमना की अगुवाई वाली बेंच ने इस मामले में डीजीपी और मुख्य सचिव से जानकारी मांगी है। कोर्ट ने कहा कि झारखंड के मुख्य सचिव और डीजीपी को सप्ताह में रिपोर्ट दाखिल करनी होगी, अगले सप्ताह राज्य के महाधिवक्ता को उपस्थित करने के लिए कहा है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि वह देश भर में न्यायिक अधिकारियों और कानूनी बिरादरी पर हमलों को लेकर चिंतित है। कोर्ट ने सभी राज्यों को नोटिस जारी किया है। आपको बता दें कि झारखंड के धनबाद में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश उत्तम आनंद की ऑटो रिक्शा से टक्कर मार कर हत्या किए जाने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने फूलपुर सीएचसी में नवनिर्मित आक्सीजन प्लांट का किया उद्घाटन

300 एलपीएम की क्षमता वाले आक्सीजन प्लांट द्वारा 60 से अधिक बेडो पर हो सकेगी आक्सीजन की आपूर्ति

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। कोरोना महामारी चरम पर थी तो जनपद को तीन हजार ऑक्सीजन सिलिंडर की प्रतिदिन जरूरत पड़ रही थी। जिसमें लगभग सत्रह सौ सिलिंडर बाहर से आ रहे थे।

अब प्रयागराज में जो प्लांट लगे हैं उनमें 3,500 सिलिंडर प्रतिदिन की उत्पादन क्षमता है। वहीं फूलपुर के इस नव निर्मित आक्सीजन प्लांट से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लगभग 60 से अधिक कोविड-19 बेड पर निर्बाध तरीके से ऑक्सीजन आपूर्ति की जा सकेगी। उक्त बातें फूलपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आईसीआईसीआई बैंक के

सीएसआर फंड से नवनिर्मित 300 थ्ड्ड्श् की क्षमता वाले ऑक्सिजन प्लांट का फीता काटकर उद्घाटन करते हुए भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा की सरकार कोरोना की संभावित तीसरी लहर से लड़ने के लिए सक्षम है साथ ही हर नागरिक की सुरक्षा के लिए दृढ़संकल्पित भी है। उन्होंने बताया कि एमएसएमई विभाग ऑक्सीजन की व्यवस्था को और भी सुदृढ़ बनाने में लगा है। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता अमरनाथ यादव ने कहा की भाजपा सरकार जनता की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने फूलपुर में आक्सीजन प्लांट लगाने के लिए सरकार का आभार भी ब्यक्त किया। फूलपुर ब्लाक प्रमुख विपेन्द्र सिंह पटेल ने कैबिनेट मंत्री का स्वागत करते हुए क्षेत्र की समस्यायों से भी उन्हें अवगत कराया। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, रोहित केसरी, सीएचसी अधीक्षक सुनील पाण्डेय के साथ ही अन्य भाजपा नेता व सीएचसी कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपाईयों द्वारा गुरूपूजनोत्सव कार्यक्रम का आयोजन रविवार को

मठ, मन्दिरो गुरूद्धारो मे मत्थाटेक करगें अभिनन्दन, सम्मान

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती सहित पूरे यमुनापार के जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष व कार्यकर्तागण रविवार को गुरूपूजनोत्सव कार्यक्रम के तहत चारो विधानसभा के वीसों मंडलों के मठ, मन्दिरो,गुरूद्धारो मे जाकर चरणवन्दना करते हुए गुरूपूजनोत्सव के साथ अभिनन्दन करते हुए सम्मानित करेगें। उक्त जानकारी भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने दी है।

कौधियारा में रोजगार सेवक पर फर्जी वाडा का हुआ खुलासा

जांच टीम के सामने ग्रामीणों ने दिखाई ताकत किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

करछना। :कौधियारा ब्लाक के अंतर्गत ग्राम पंचायत सोंढिया का है वहां की जनता ने विधायक बारा से शिकायत की थी । शिकायत के क्रम में विधायक और शिकायतकर्ता सत्येंद्र तिवारी ने साक्ष्य सहित फाइल जिलाधिकारी और सीडीओ से किया था । जिसकी अभिलेखि जांच के लिए मनरेगा उपायुक्त श्रम रोजगार को नियुक्त किया गया जो कि जांच के लिए ब्लाक कौधियारा पर ग्रामीणों के सामने जानकारी हासिल की । इस दौरान गांव से आये शिकायत कर्ता के साथ ग्रामीणों ने एक जुट

होकर प्रदर्शन भी किया जांच अधिकारी ने रोजगार सेवक के खिलाफ साक्ष्य सही पाएं जानें पर कारवाई किए जाने की बात कही । रोजगार सेवक रीता देवी के बने जॉब कार्ड में अपनी भतीजी का खाता संख्या लगाकर पैसे ट्रांसफर कर रहा था जबकि रीता देवी ने ब्लॉक में बयान दिया कि वह प्रयागराज के बड़े हनुमान मंदिर के विगत 5 वर्षों से फूल माला बेचती है उसे यह भी नहीं पता है कि गांव में उसके नाम से जॉब कार्ड बना है पैसे पानेकी तो बात ही छोडि़ए

ब्लॉक में रोजगार सेवक के खिलाफ बहुत सारे ग्रामीण उपस्थित हुए जिन्होंने अपना पक्ष बड़ी मजबूती के साथ रखा इधर जब कंप्यूटर ऑपरेटर से यह पूछा गया कि आपने जो भी डाटा भरा है वह उसके साक्ष्य आपके पास हैं तो उसने कहा कि हमें जो रोजगार सेवक के द्वारा मास्टर रोल को दिया गया था हमने पूरी तत्परता से वही हरा है इधर जांच की प्रक्रिया को बढ़ाने के बाद मनरेगा उपायुक्त ने कहा कि जांच में शिकायत सही पाई गई जॉब कार्ड और खाता संख्या में में अंतर पाया गया है बैंक से स्टेटमेंट लेकर जल्दी ही रोजगार सेवक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आफिस में वर्षो से अटैच सफाई कमिन्यों को गांवो में होगी तैनाती- कमलेश द्विवेदी

अखंड भारत संदेश

करछना। विकास खंड करछना वषी से आफिस में डटे सफाई कमिन्यों को गांवो में तैनात किया जायेगा ।दर्जनभर से अधिक सफाई कर्मी वषी से गांवो में तैनाती दिखा कर ब्लाक मुख्यालय पर बाबुओं की फाइलों को दफ्तरों में इधर-उधर काम में लगा रक्खा गया है, जो कभी भी गांवो में साफ सफाई नहीं करनें जातें ऐसे कर्मचारियों को गांव की सफाई ब्यवस्था में लगाया जायेगा ।यह बातें ब्लाक प्रमुख करछना सरोज द्विवेदी के प्रतिनिधि पति कमलेश द्विवेदी ने ब्लाक मुख्यालय पर क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ जन समस्या की सुनवाई के दौरान कहीं ।उन्होंने बताया कि गांवो के प्रधानो ने समस्या को बताया कि उनके गांव में सफाई कर्मी की नियुक्ति हुई हैं लेकिन कभी गांव नहीं आता जिससे गांवो में साफ सफाई ब्यवस्था नहीं हो पा रही है, और गांवो गंदगी का अम्बार लगा हुआ है तथा संक्रमण फैल सकता है ।जिसे गंभीरता से लेते हुए इस कारवाई की जायेगी ।जन सुनवाई के दौरान क्षेत्र से आये बीडीसी सदस्यों की समस्याओं की शिकायतें सुनने के बाद समय से शिकायत का समाधान किए जाने का भरोसा दिलाया । जिसमें पेयजल, जल निकासी, आवास एवं शौचालय की ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई, जिसे समय रहते पूर्ण कराने का भरोसा दिलाया । बैठक में उपस्थित लोगों में प्रधान, बीडीसी सदस्यों के मिथिलेश द्विवेदी पूर्व प्रधान देवरी कला, संतोष पाण्डेय ओपी सिंह व क्षेत्रीय लोग शामिल रहे ।

औषधीय खेती किसानों के लिए साबित हो रहे हैं मील का पत्थर, कमा रहे हैं अच्छा मुनाफा

सुनील गिरि

नैनी। केंद्र सरकार ने किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाने के लिए कई योजनाओं को संचालित किए हुए हैं। उसी योजना में एक महत्वपूर्ण योजना औषधीय खेती है। जो औषधीय खेती किसानों के लिए मील का पत्थर साबित होने में लगा हुआ है। जिससे किसानों की आय दुगनी हो रही है। औषधीय खेती कर किसान अच्छा मुनाफा कमाने में जुटे हुए है और अन्य किसान भाइयों को भी उक्त खेती करने पर बल देने में लगे हैं। साथ ही औषधीय खेती किस प्रकार किया जाए, उसके भी गुन सिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 तक किसानों की दुगुनी आय का लक्ष्य रखे हैं। जिसे पूरा करने के लिए संबंधित विभाग कई योजनाएं संचालित कर किसानों को जागरूक करने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में प्रयागराज के कई किसानों ने

परंपरागत खेती से हटकर औषधीय की खेती करने में लगे है। कोरांव, मेजा, करछना और हड़िया तहसील के दर्जनों किसानों ने धान, गेंहू जैसी परंपरागत खेती को छोड़कर वेटीवर अथवा खस, सफेद मूसली व लेमन ग्रास की खेती करके दुगुनी

आय कमा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के उननव, उत्तरखण्ड और दिल्ली के व्यापारी उक्त किसानों से खरीदारी कर रहे हैं। किसानों ने बताया की खस, सफेद मूसली और ग्रास से मिट्टी की ऊर्बरा शक्ति मजबूत होती है। इसमें किसी भी प्रकार का कोई रासायनिक खाद की आवश्यकता नही होती है। कम सिचाई में पैदावार हो जाती है। खस के जड़ को व्यापारी खरीद लेते हैं। जिसका सेंट तेल निकलता है। बताया जाता है कि जिसकी कीमत हजारो रुपए लीटर विकता है। ऊपरी भाग को दोबारा रोपा जाता है और कुछ भी नुकसान नहीं होता है। कुल मिलाकर आम के भी दाम गुठलियों के भी दाम किसानों को बड़ी आसानी से मिल जाता है। जब खस की कटाई होती है तो व्यापारी खुद किसान से सम्पर्क करते है और सौदा तय कर खस के जड़ को ले जाते है। सतावर, सफेद मूसली व स्टेविया को संबंधित कंपनियां खरीदती है। किसानों ने बताया की दो बीघे मे एक लाख रुपए की आमदनी होती है। किसानों ने बताया की नमामि गंगे योजना से औषधीय की खेती करने पर केंद्र सरकार सब्सिडी का भी लाभ देती है।

पत्रकार को भातृ शोक

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। क्षेत्र के दानपुर गांव निवासी भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के अनुशासन एवं जांच प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी व साहित्यकार व पत्रकार जगदम्बा प्रसाद शुक्ल के छोटे भाई हनुमान प्रसाद शुक्ल (48) का लंबी बीमारी के बाद गुरुवार की सुबह देहांत हो गया ।पत्रकार के भाई के निधन की सूचना होते ही क्षेत्र के पत्रकारों में शोक की लहर दौड़ गई । घूरपुर मीडिया सेंटर पर भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के मंडल अध्यक्ष आलोक त्रिपाठी के नेतृत्व में शुक्रवार के दिन शोकसभा का आयोजन किया गया ।जिसमें मौजूद पत्रकारों ने दिवंगत पत्रकार के भाई की आत्मा की शांति के दो मिनट का मौन रख ईश्वर से प्रार्थना की । साथ दुखी परिवार को अपार दुख सहन करने के लिए शक्ति और सम्बल देने की भी प्रार्थना की । इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष आरके शर्मा ,तहसील अध्यक्ष बारा मो आरिफ ,राजेश निषाद,प्रवीण कुमार मिश्र,अखिलेश त्रिपाठी,अतुल यादव,परवेज अहमद,एसपी सिंह,अजय द्विवेदी,पुष्पराज सिंह,मो राशिद,मो हयात,सुरेश चंद्र पटेल,अनूप जायसवाल, सोनू जायसवाल, संजय खान,एखलाक अहमद आदि पत्रकार मौजूद रहे ।

भाजपा जिले के महामंत्री पुष्पराज सिंह व जसरा मंडल के अध्यक्ष जे एन शुक्ला बने

अखंड भारत संदेश

> :जिला महामंत्री के निधन से रिक्त था दायित्व,जसरा के मंडल अध्यक्ष हुए परिवर्तित

घूरपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज यमुनापार जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव के निर्देशानुसार सहमति पत्र जारी होने के उपरांत जिलाध्यक्ष यमुनापार विभवनाथ भारती ने जिले के महामंत्री के रूप में निवर्तमान में भारतीय जनता युवा मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल को जिला महामंत्री के दायित्व की जिम्मेदारी सौंपी है। उक्त दायित्व जिला महामंत्री रहे स्व.रामेश्वर पटेल के निधन से रिक्त हुई थी। वही यमुनापार जिले के जसरा मंडल में नाम परिवर्तित करते हुए निवर्तमान महामंत्री का दायित्व संभाल रहे जगत नारायण शुक्ला को मंडल अध्यक्ष जसरा के रूप में मनोनयन किया है। दोनो पदाधिकारियों के घोषणा पर जिले के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। वही दोनो पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती का आभार व्यक्त करते हुए दी हुई जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन का भरोषा व्यक्त किया है।

गुंडई,जमीन क्रेता महिला को नहीं दे रहे अतिक्रमण कर्ता भूमि

जातीय विवाद की तरफ ले जा रहे मामला कुछ अराजक व असमाजिक तत्व

अखंड भारत संदेश

कोरांव/प्रयागराज। कोरांव तहसील के ग्राम देवघाट तिराहे पर जमीदार रहे मौलवी गुलाम कादिर महुली जो बनारस में बैरिस्टर हुआ करते थे,वे और उनके पुत्रों रियाज अशरफ व एजाज अशरफ के नाम इलाके में काफी जमीनें थी जो तकरीबन सैकड़ों बीघे जमीन ज्यादातर भूमिदान कर दिए थे। कुछ जमीनें अभी भी उनके नाम चली आ रही है।

दर असल ग्राम देवघाट में भूखंड संख्या 1154 रकबा 0.265 हे0 में एजाज अशरफ पुत्र मौलवी गुलाम कादिर के नाम है। जिसे ग्राम के ही जगदीश प्रसाद पटेल निवासी देवघाट व ग्राम अल्हवा निवासी बास देव पटेल पुत्र अमर बहादुर जोत बो रहे थे । और एजाज अशरफ की जमीन हांशिल करने के लिए एक कथित रूप से एक झू ठा वाद चक बन्दी में लगा रखे थे। इसी बीच जब जमीदार

एजाज अशरफ को पता चला तो उनके खानदान की हैदर मियां की बेटी मितुल सब्रिन बीबी जिसकी शादी मां खतुना बीबी ने ग्राम अल्हवा के एक गरीब मजदूर किस्म के व्यक्ति खलिकुल्ला के साथ कर दी थी। जिसके कई बच्चे बच्चियां और बहू है।

इसके नाम गत सप्ताह कोरांव तहसील बनारस से आ कर उक्त करीब एक बीघा जमीन को बैनामा कर दिया। जिससे वह फले फूले,और गुजर बशर करे। किन्तु

महिला भूमि क्रेता को अतिक्रमित भूमि नहीं खाली कर रहे सर हंग, दे रहे तरह तरह की धमकियां, पुलिस और प्रशासन से आवश्यक कार्यवाही की मांग,

अतिचारी जगदीश पटेल के अलावा ग्राम अल्हवा बासदेव पटेल आदि कुछ लोग जबरन जमीन को कब्जा करना चाहते हैं और डरा धमका कर भूमि खाली नहीं करना चाहते हैं। महिला पीडि़ता को पैसे के बल पर पुलिस प्रशासन को मिला कर तरह तरह की धमकियां दे कर व दिला कर परेशान किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे किसी भी वक्त दोनों लोगों भूमि खरीदार और कथित तौर पर कब्जा करने वालों के मध्य अप्रिय घटना घट सकती है।

इस बाबत महिला भूमि क्रेता जो विक्रेता के खानदान की है,उसने भू माफियाओं के खिलाफ मुख्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार से एंटी भू माफिया अधिनियम के तहत कानूनी कार्यवाही की मांग की है। साथ ही जिलाधिकारी और एस एस पी प्रयागराज से इंटरफेयर किए जाने की मांग की है। और अवैध ढंग से कब्जा निरन्तर करते जा रहे सरहनगों से भूमि खाली कराने व क्रेता के कब्जे दखल में किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पनन्न न किए जाने की मांग की है। पता चला है कि पुलिस कर्मी भी अतिक्रमण करने वालों को नहीं कुछ बोल रही।

शांतिभंग में चार का चालान

70 लीटर शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। कच्ची शराब का निर्माण और उसकी बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 70 लीटर शराब बरामद हुई है। इसके अलावा चार लोगों का शांतिभंग में चालान भी किया गया है। यह कार्यवाही यमुनापार के शंकरगढ़ थाने की पुलिस ने की है।

शंकरगढ़ के थानेदार कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर शराब की तस्करी करने वाले लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी नारीबारी क्षेत्र से की गई है। गिरफ्त में आए धंधेबाज लक्ष्मीचंद्र पुत्र शारदा प्रसाद (निवासी ग्राम सुरवल चंदेल, शंकरगढ़) और यशोदानंद पुत्र हरिनारायण (निवासी सुरवल

चंदेल, शंकरगढ़) के पास से 70 लीटर शराब बरामद हुई है। यह गिरफ्तारी एसआई मनीष कुमार त्रिपाठी चौकी प्रभारी नारीबारी और हेड कांस्टेबल कृपाशंकर, गिरीश मिश्र ने की है।

दूसरी तरफ शंकरगढ़ पुलिस ने शांतिभंग की धारा में चार लोगों का चालान किया है। एसओ कुलदीप कुमार तिवारी ने बताया कि शांतिभंग होने की आशंका में कुलदीप कुमार त्रिपाठी पुत्र इंद्रजीत त्रिपाठी (कल्याणपुर), सुधीर कुमार त्रिपाठी पुत्र राम प्रभाकर (कल्याणपुर), निर्मला त्रिपाठी पतनी सुधीर कुमार त्रिपाठी (कल्याणपुर) और खनन आदिवासी पुत्र बहादुर आदिवासी (बेनीपुर) का चालान किया गया है। पुलिस टीम की इस कार्रवाई में उप निरीक्षक अरविंद कुमार यादव, उपनिरीक्षक ऋतुराज सिंह, कांस्टेबल राजेश यादव आदि लोग रहे।

जसरा में 313 लोगो को किया गया वैक्सिनेशन

अखंड भारत संदेश

जसरा/ प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में शुक्रवार को 18 प्लस के साथ सीनियर सिटीजन के टीकाकरण अभियान के तहत कोवीशील्ड के लिए लोगों की आज भारी भीड़ लगी रही।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जसरा में शुक्रवार को टीकाकरण अभियान के तहत कुल 313 लोगों का वैक्सीनेशन किया गया है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस की ब्यवस्था की गई थी। सीएचसी अधीक्षक डा0 तरुण पाठक ने बताया कि जिस तरह लोग टीकाकरण में भाग ले रहे हैं,इससे लग रहा है कि जल्द ही पूरा क्षेत्र वैक्सीन युक्त हो जाएंगा। अधीक्षक डा0पाठक ने क्षेत्र की जनता से बार बार अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में लोग टीकाकरण करायें और स्वयं बचें साथ ही अपने परिवार को सुरक्षित रखें। सीएचसी अधीक्षक डा0पाठक ने सभी गांव के क्षेत्र पंचायत सदस्य व प्रधानों से भी अनुरोध किया है कि वह गांव के लोगों को अभियान चलाकर सजग करें और प्रेरित कर टीकाकरण के सम्बंध में बताएं। जिससे ग्रामीण जनता सीएचसी जसरा में आकर टीकाकरण करा सकें। इस अवसर पर स्वास्थ्य शिक्षाधिकारी सीमा सिंह, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक पंकज मिश्र,नेत्र परीक्षण अधिकारी डा0हीरानंदन पंकज पांडेय, वैक्सीनेटर नीशा गौतम,प्रमिला सिंह, सुमन सिंह,रीता सिंह,इन्द्रावती आदि एएनएम उपस्थित रहीं।

जगत नारायण शुक्ल के जसरा मण्डल अध्यक्ष बनने पर लोगों में हर्ष

अखंड भारत संदेश

जसरा/प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज यमुनापार के जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव के निर्देशानुसार सहमति पत्र जारी होने के उपरांत जिलाध्यक्ष यमुनापार विभवनाथ भारती ने जिले के महामंत्री के रूप में निवर्तमान में भारतीय जनता युवा मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह पटेल को जिला महामंत्री के दायित्व की जिम्मेदारी सौंपी है।

उक्त दायित्व जिला महामंत्री रहे स्व.रामेश्वर पटेल के निधन से रिक्त

हुई थी। वहीं यमुनापार जिले के जसरा मंडल में नाम परिवर्तित करते हुए निवर्तमान महामंत्री का दायित्व संभाल रहे जगत नारायण शुक्ला को मंडल अध्यक्ष जसरा के रूप में मनोनयन किया है। दोनों पदाधिकारियों की घोषणा पर जिले के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए शीर्ष नेतृत्व का आभार प्रकट किया है। वहीं दोनों पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती का आभार व्यक्त करते हुए दी गई नई जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन का भरोसा व्यक्त किया है। इस अवसर पर राजाबाबू सुपरी,प्रीतम केसरवानी, बीरेन्द्र पाठक,अशोक तिवारी, सुधांशु मिश्र, रामजी तिवारी, बीडी सुपरी, कमला कान्त दुबे सहित दर्जनों लोगों ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है।

कार्यालय – ग्राम पंचायत खुरमा
विकास खंड – माण्डा, जनपद – प्रयागराज

निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2021 –22 में ग्राम पंचायत खुरमा विकास खंड माण्डा में कराए जाने वाले कार्यो, मनरेगा, राज्य वित्त 15वां, वित्त, हैंडपंप मरम्मत, व रिबोर, नाली, खड़ंजा निर्माण, व मरम्मत शौचालय निर्माण, पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय निर्माण, इंटरलाकिंग, स्कूल मरम्मत, सोलर लाइट पंप व साथ ही अन्य निर्माण कार्य / मरम्मत में प्रयुक्त होने वाली सामग्री के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। विकास खंड की पंजीकृत फर्म दिनांक 01–08–2021से02–08–2021 तक आवेदन कर सकती हैं। निविदा दिनांक 03–08–2021 को 12:00 बजे दिन को ग्राम पंचायत में खोली जाएंगी।

समर बहादुर
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत–खुरमा
विकास खंड–माण्डा
प्रयागराज

बृजेश शुक्ला
ग्राम पंचायत अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत खुरमा
विकासखंड–माण्डा
प्रयागराज

स्वंय सहायता समूहों को जनपद में और मजबूत बनाया जाये : जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। 30प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा आनलाइन धनराशि का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्टेड्ट के एनआईसी में किया गया, जिसमें जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, मुख्य विकास अधिकारी श्री शीपू गिरि सहित स्वयं सहायता समूहों के लाभार्थी सदस्य उपस्थित रहे। जनपद में विकास खण्ड सोरांव के ग्राम दानूपुर के मां वैष्णों आजीविका स्वंय सहायता समूह की सचिव सुनीता मौर्या को मोटर गैरेज की दुकान बढ़ाने के लिए, विकास खण्ड बहादुरपुर के ग्राम सराय लाहुरपुर के महाकाल आजीविका स्वंय सहायता समूह की सचिव ललिता पटेल को मुर्गी पालन का कार्य शुरू करने तथा विकास खण्ड बहादुरपुर के ग्राम धरहरा चकिया के चांद आजीविका स्वंय सहायता समूह की अध्यक्ष उर्मिला को अण्डे की दुकान बढ़ाने के लिए उपरोक्त योजनान्तर्गत आर्थिक सहायता से लाभान्वित किया गया। एनआईसी में चल रहे कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी ने स्वंय सहायता समूहों के सदस्यों से वार्ता की तथा जानकारी ली कि कोई समस्या तो नहीं आ रही है।

पोल्ट्री फार्म का ताला तोड़कर हजारों मुर्गों की चोरी थाने में दी गई तहरीर

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके के जोगा पुर गांव में पोल्ट्री फार्म का ताला तोड़कर हजार मुर्गा के साथ मुर्गे का चारा भी चोरी कर ले गए। भुक्तभोगी ने एक पर चोरी का आरोप लगाते हुए थाने में नामजद तहरीर दी है । मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम जोगापुर निवासी अच्छे लाल पुत्र स्वर्गीय भागीरथी का कहना है कि बीती रात उसके पोल्ट्री फार्म का ताला तोड़कर एक हजार मुर्गा और उननेस बोरा मुर्गा का चारा चोरी हो गया । शुक्रवार को सुबह उक्त चोरी की जानकारी हुई । अच्छेलाल ने मऊआइमा थाने में एक के खिलाफ चोरी का आरोप लगाते हुए नामजद तहरीर दी है । पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच कर रही है ।

नाला चोक होने से भरा पानी ,सैकडों बीघा धान की फसल डूबी

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। नाले की सफाई ना किये जाने से बारिश के पानी ने कई गांवों की सैकड़ों बीघे धान व सब्जी की फसल को जलमगन कर दिया । यदि समय रहते पानी ना निकला तो किसानों की फसल अति पानी के कारण सड़ जाएगी और किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा ।

क्षेत्र में विगत तीन दिनों से तेज बारिश हो रही है । तेज बारिश का कई गांवों का पानी सेमरकलबना गांव के आगे स्थित नाले से होकर यमुना नदी की ओर निकल जाता था लेकिन नाले की सफाई ना किये जाने व विगत वर्षों बनी हाइवे के नीचे की पुलिया के मुहाने को बंद कर दिए जाने से पानी निकलने में दिक्कत हो रही है । जिससे सेमरकलबना, पंवरी,गौहनिया ताल ,बकैनिहा आदि के किसानों की फसल बारिश के पानी से लबालब होकर जलमगन हो गई । किसानों का मानना है कि अभी दो चार दिन पूर्व ही धानों की रोपाई की गई थी यदि समय रहते पानी नहीं निकला तो किसानों की मेहनत और लागत पर पानी फिर जाएगा। किसानों ने जल्द से जल्द नाले की सफाई कराकर पानी निकालने की मांग की है ।

जसरा में नवविवाहिता ने मायके में लगाई फांसी ,मौत

जसरा/प्रयागराज। जसरा क्षेत्र में एक नव विवाहिता ने सूने घर में दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उस समय परिजन घर पर नहीं थे। शुक्रवार को जसरा के बैंक ऑफ बड़ौदा के पीछे स्थित कॉलोनी में विवाहिता ने सूने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उस दौरान परिजन लोहगरा बाजार स्थित एक बैंक में किसी काम से गए थे। जबकि घर में कोई नहीं था। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवती का विवाह लगभग दो माह पूर्व 19 जून को हुआ था। विवाहिता छोटू पांडे 24 पुत्री दिवाकर कांत पांडेय का विवाह 19 जून को धूमधाम से हुआ था। आसपास के लोगों ने बताया कि विवाह के पूर्व से ही युवती मानसिक रूप से परेशान थी। मृतक युवती दो बहन में दूसरे नंबर पर थी, जबकि एक छोटा भाई सौरभ पांडेय है। विवाहिता के मां व भाई जब बैंक से वापस आए तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। कुछ देर तक आवाज देने तथा मोबाइल पर फोन करने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला तो भाई सौरभ ने किसी तरह से दरवाजे का कुण्डी खोल कर अन्दर गया तो वह आंगन के जाली से साड़ी के सहारे फांसी के फंदे से लटकी हुई थी। परिजनों का विलाप सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए। वहीं परिजनों ने युवती के ससुरालियों को भी घटना की सूचना मोबाइल से दे दी। समाचार लिखे जाने तक विवाहिता के परिजनों ने पुलिस को सूचना नहीं दी थी।

चोरों ने समेटा लाखों का मोबाइल, फिर लकीर पीटती दिखी पुलिस

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा थाना मेजारोड बाजार में हो रही चोरियों से चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि आएं दिन घटनाओं को अंजाम दिए चले जा रहे हैं। बीती रात चोरों ने मेजारोड बाजार के आयुष मोबाइल टेलीकॉम की दुकान की दिवाल में सेंधमारी कर लाखों का माल समेट ले गए। जिसे लेकर व्यापारियों में खासा आक्रोश है। बता दें कि मेजारोड सोरांव गांव निवासी सुनील कुमार गौड़ की मेजारोड बाजार के प्रयागराज मार्ग पर आयुष मोबाइल टेलिकॉम के नाम से दुकान है। रोज की तरह बृहस्पतिवार की शाम सुनील मोबाइल की दुकान बन्द कर घर चले गए। सुबह जब दुकान का शटर खोल कर अंदर का नजारा देखा तो उनके होश उड़ गए। चोरों ने दुकान की दिवाल तोड़कर लाखों की मोबाइल व सामान उठा ले गए। बाजार में आए दिन हो रही चोरी की घटना से व्यापारियों में खासा आक्रोश है। सूचना पर चौकी प्रभारी मेजारोड पंकज त्रिपाठी, दरोगा सूर्य प्रकाश सिंह, चौकी प्रभारी कोहड़ार विनोद कुमार सिंह, चौकी प्रभारी जेवनिया आशीष चौबे, दरोगा दिनेश यादव, चौकी प्रभारी सिरसा

जितेंद्र कुमार राजपूत पुलिसकमिर्यों के साथ पंहुचकर जांच में जुट लकीर पीटते नजर आये।व्यपारियो का कहना है कि स्थानीय पुलिस के लापरवाही से अक्सर चोरी की घटना घट रही हैं। जिससे व्यपारी और आम जनता सुरक्षित नही हैं।

शंकरगढ़:जल्द बंद हो जाएगा सिटी बस का संचालन

लोगों की मांग पर एआरएम ने एक पखवारे तक बढ़ाया संचालन, काफी समय से घाटे में चल रही है शंकरगढ़ की महानगरीय सेवा

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़/प्रयागराज। जनपद मुख्यालय से दक्षिणांचल में स्थित शंकरगढ़ तक जाने वाली महानगरीय बस सेवा आगामी एक पखवारे के बाद बंद कर दी जाएगी। इस रूट पर दौड़? वाली सिटी बसें काफी समय से घाटे में चल रही हैं। विभागीय समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने उक्त बस सेवा को एक अगस्त से बंद करने का आदेश दिया था। हालांकि क्षेत्रीय लोगों की भारी डिमांड पर एआरएम ने इसके संचालन को एक पखवारे तक के लिए बढ़ा दिया है। प्रयागराज से चित्रकूट-बांदा राजमार्ग पर स्थिति शंकरगढ़ कस्बा व्यापारिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। यह मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित है। यहां पर यूपी-एमपी के सैकड़ों लोगों का रोजाना आवागमन होता है। एमपी से प्रयागराज जाने वाले स्थानीय लोग शंकरगढ़ आकर ही महानगरी बस सेवा का प्रयोग करते हैं। इसके अलावा स्थानीय छात्र-छात्राओं, नौकरीपेशा के साथ स्थानीय व्यापारियों को इस सेवा से काफी सहूलियत है।

बीते दिनों इस सेवा के बंद किए जाने की जानकारी जैसे ही कस्बे में पहुंची, लोगों की चिंता बढ़ गई। प्रशासन के इस निणय्य के खिलाफ शंकरगढ़वासियों के साथ-साथ क्षेत्रीय लोगों में खासी नाराजगी जाहिर की है। स्थानीय लोगों की समस्या को देखते हुए शुक्रवार को भाजपा नेता दिनेश तिवारी और जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी ने एआरएम प्रयागराज से बात की। एआरएम ने बताया कि कमिश्नर ने शंकरगढ़ तक चलने वाली सिटी बस सेवा को बंद करने का निणय्य लिया है। हालांकि क्षेत्रीय लोगों की मांग को देखते हुए इसका संचालन एक पखवारे के लिए बढ़ा दिया गया है। यदि तब तक सरकार की तरफ से कोई आदेश नहीं आता तो इसका संचालन बंद करना पड़ेगा।

रोजमर्रा के यात्रियों की बढ़ जाएगी फजीहत

शहर के बैहराना से शंकरगढ़ के रामभवन चौराहे तक चलने वाली यह बस सेवा प्रत्येक आधे घंटे पर उपलब्ध है। बताया जाता है कि यह घाटे में चल रही है। इधर, बारा में टोल टैक्स चालू हो जाने से इस सेवा पर प्रति चक्कर अतिरिक्त खर्च बढ़ गया। इसके अलावा परमिट का भी कुछ पैसा बकाया बताया जा रहा है। यदि आने वाले दिनों में उक्त समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो शीघ्र ही यह सेवा बंद हो जाएगी। इस बस के बंद होने से सबसे ज्यादा प्रभावित डेली शहर आने-जाने वालों के साथ-साथ एनटीपीसी में नौकरी करने वाले होंगे।

सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में उच्च अंक हासिल करने पर सौम्या श्रीवास्तव को मिली बधाई

अखंड भारत संदेश

सपा जिलाध्यक्ष अनीता श्रीवास्तव की पुत्री सौम्या ने 95% अंक हासिल कर किया मां बाप का नाम रोशन

फूलपुर। बच्चों की सफलता में माता पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अभिवावक को चाहिए की वह बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने के साथ ही उनका मनोबल बढ़ाए। जिससे बच्चे किसी तरह के अवसाद का शिकार न हो और अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकें। उक्त बातें समाजवादी पार्टी की महिला सभा जिलाध्यक्ष अनीता श्रीवास्तव की सुपुत्री सौम्या श्रीवास्तव को सीबीएसई बोर्ड की इण्टर परीक्षा में उच्च अंक हासिल करने पर बधाई देते हुए समाजवादी लोहिया वाहिनी के निवर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य नसीरुद्दीन राईन ने कही। शुक्रवार को बोर्ड का रिजल्ट आते ही परिजनों के साथ अन्य लोगों ने सौम्या श्रीवास्तव को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

पटेल नगर झूसी स्थित एम0आर0एस0 कालेज से इण्टरमीडिएट की पढ़ाई कर रही सौम्या श्रीवास्तव 95 ज्ञ् अंक पाकर सफल हुई। उनकी सफलता पर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने फूलपुर स्थित पार्टी कार्यालय मे बैठक कर अपनी खुशी का इजहार किया। सपा कार्यकर्ताओं ने सौम्या श्रीवास्तव के माता-पिता को भी बधाई दी। इस दौरान मुराद मंसूरी, सर्वेश यादव, आरके सरोज, सुनील यादव, मोहम्मद इरफान, वाजिद तूफानी, आदर्श यादव, सुफियान खान, वैश मंसूरी, अफजल अहद, शीतला पाल, चंद्रजीत यादव, रविंद्र पाल सहित अन्य सपा कार्यकर्ताओं ने भी सौम्या श्रीवास्तव के उज्वल भविष्य की कामना की।

मेजा ब्लाक में नवनिर्चित ब्लाक प्रमुख द्वारा प्रधानों व क्षेत्रपंचायत सदस्यों का सम्मान समारोह

योगी सरकार ग्राम पंचायतों के विकास के लिए कर रही काम : राजमणि कोल

अखण्ड भारत सन्देश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा विधानसभा प्रदेश की योगी सरकार ग्राम पंचायतों के विकास और गरीबों हितों के लिए काम कर रही है।केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार गरीबों के लिए पिटारा खोल दिया है।बेरोजगारों को रोजगार दे रहे हैं।उक्त उद्गार कोरांव विधायक राजमणि कोल ने मेजा ब्लाक में आयोजित नवनिर्वाचित प्रमुख श्रीमती गायत्री मिश्रा और उनके प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र द्वारा नवनिर्वाचित प्रधानों और क्षेत्र पंचायत सदस्यों के सम्मान समारोह के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए।उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा ग्राम पंचायतों के विकास के लिए और गरीबों के हितों के लिए किए जा रहे कार्य को विस्तार से बताया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मेजा विधायक नीलम करवरिया ने केंद्र व प्रदेश की सरकार द्वारा किए जा रहे महिला सशक्तिकरण के बारे में उपस्थित महिलाओं को जानकारी दी।ग्राम विकास अधिकारी राकेश कुमार त्रिपाठी ने समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के बारे में जैसे वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, गरीब स्त्रियों की शादी अनुदान योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, सनतक या 2 वर्षीय डिप्लोमा में प्रवेश लेने पर 5 हजार रुपए अनुदान, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना, टेलरिंग शॉप योजना एवं आटा मसाला चक्की योजना और मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के बारे में विस्तार से बताया। इससे पूर्व प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र ने मुख्य अतिथि विधायक कोरांव राजमणि कोल व विधायक मेजा नीलम करवरिया एवं विशिष्ट अतिथि खंड विकास अधिकारी सपना अवस्थी का बुके व अंगवस्त्रम से स्वागत किया।प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र के सहयोग से द्वय मुख्य अतिथियों ने समस्त प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को माल्यार्पण और अंगवस्त्रम से सम्मानित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता नवनिर्वाचित प्रमुख गायत्री मिश्रा और संचालन अखिल भारतीय प्रधान संगठन के जिला प्रभारी गडेवरा के प्रधान अनिल शुक्ला ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष कोहडार गोविंद मिश्र,मंडल अध्यक्ष मेजा कामेश्वर पटेल,विधायक मेजा प्रतिनिधि शैलेश पाण्डेय,विधायक कोरांव पी आर ओ रामाश्रय शुक्ला, मंडल महामंत्री मेजा कमलेश मिश्र और राजीव तिवारी,मंडल मंत्री मेजा अमरेश तिवारी,पूर्व प्रमुख मेजा मुनन्न शुक्ला,रूपनारायण मिश्र,कमलेश पांडेय, बीडीसी राकेश तिवारी,विष्णु प्रभाकर मिश्र(को ऑपरेटिव),संजय तिवारी,विवेक मिश्र,राजू मिश्र,सोनू मिश्र,शिवाकांत पांडेय,प्रधान पंकज राव,प्रधान रामधारी बिंद और समाजसेवी लोग मौजूद रहे।

राशन वितरण में अनियमितता को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने किया हंगामा

आपूर्ति निरीक्षक पर लगाया मिलीभगत का आरोप

अखंड भारत संदेश

फूलपुर । फूलपुर विकास खण्ड के कोड़ापुर गांव में राशन वितरण प्रणाली में अनियमितता को लेकर ग्रामीण काफी दिनों से आक्रोशित थे। जिसपर उपजिलाधिकारी फूलपुर के निर्देश पर शुक्रवार को पंचायत भवन परिसर में ग्रामीणों की एक बैठक हुई। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने ने कोटेदार एवं आपूर्ति निरीक्षक पर जमकर अपनी भड़ास निकाली। घटतौली एवं राशन कार्ड धारकों को जाति सूचक शब्द से गाली देने का आरोप लगाते हुए कार्डधारकों ने कोटा निरस्त कर मुकदमा दर्ज कराने की मांग करने लगे। ग्रामीण तब उग्र हो गए जब बैठक में उपजिलाधिकारी के निर्देश के बाद भी आपूर्ति निरीक्षक फूलपुर अमित कुमार चौधरी उपस्थित नहीं हुए। राशनकार्ड धारकों ने आपूर्ति निरीक्षक पर कोटेदार से मिली भगत का आरोप लगाया। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी अमित सिंह व प्रधानपति मौजीलाल रावत द्वारा शांत कराए जाने पर किसी तरह मामला शांत हुआ। ग्रामीणों का आरोप है कि कोटेदार मेवालाल यादव उक्त कोटे का संचालन अपने नाती उदयराज यादव से करवाते है। जो राशन कार्ड धारकों से बड़े पैमाने पर घटातौली करने के साथ ही दलितों को जाति सूचक शब्दो से गाली देता है। बैठक में अपनी अनुपस्थिति पर आपूर्ति निरीक्षक अमित कुमार चौधरी बताया कि एक जांच में व्यस्त होने के कारण वह नहीं आ सके। उन्होंने कहा कि जल्द ही बैठक कराकर राशन कार्ड धारकों की समस्याओं को लेकर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। मौके पर क्षेत्र पंचायत सदस्य प्यारे लाल,सुभाष चंद्र पटेल,लालजी गौतम,मदन लाल भारतीय,रूप चंद्र यादव,फूलचंद्र यादव, राम दुलार गौतम,नन्हकू बनवासी,गंगाप्रसाद बनवासी,फोटो बनवासी,हरिप्रकाश दुबे,रमाकांत दुबे,अमित कुमार गौतम, दीप चंद्र गौतम, रमपत्ती,शिवकली,सावित्री,प्यारी देवी ,संगीता देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

फाफामऊ घाट पर रेत से ऊपर आए 60 शव, कराया गया अंतिम संस्कार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगा के जलस्तर में वृद्धि से तेज हुए रेत के कटान से फाफामऊ घाट पर शुक्रवार को पहले से दफनाए गए 60 शव बाहर निकल आए। इसके बाद करीब पांच दर्जन शवों को जलाने के लिए चिता लगाने की जगह बनाने में नगर निगम को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पानी से चौतरफा घिरे टापू पर नावों से लकड़ी ले जाकर चिताएं लगाई गईं। रात नौ बजे तक एक साथ सभी शवों का अंतिम संस्कार कराया गया। इसी के साथ अब तक इस घाट पर 300 से अधिक लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कराया जा चुका है। शवों का अंतिम संस्कार करने वाले लोगों का कहना है कि बाढ़ या जलस्तर बढ़ने के दौरान दफनाए गए शवों के रेत से बाहर आने के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं।

गंगा के में जलस्तर वृद्धि होने

की वजह से कटान का दायरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। फाफामऊ घाट पर शुक्रवार की सुबह छह बजे से ही कटान से शवों के निकलने का सिलसिला शुरू हो गया। घाट पर निगरानी के लिए लगाए गए मजदूरों ने दोपहर एक बजे तक ही 40 शवों को कटान से बाहर निकाल लिया था। जल स्तर बढ़ने और शवों की संख्या बढ़ने की वजह से स्थिति संभालने के लिए नगर निगम प्रशासन को 30 से अधिक मजदूर लगाने पड़े। शाम छह बजे तक कटान की वजह से कुल 60 शव रेत से निकाले गए।

इस घाट पर दिन भर शवों को बहने से रोकने के लिए मशक्कत की जाती रही। देर रात तक शवों की चिताएं लगाई जाती रहीं। जोनल अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने श्राद्ध के साथ इन शवों को मुखाग्नि दी। रात को घाट पर एक लाइन से चिताएं जलती रहीं। कटान को देखते हुए अंतिम संस्कार के बाद रात को फाफामऊ घाट पर निगरानी बढ़ा दी गई। एक भी शव गंगा में न बहने पाएं, इसके लिए छह लोगों को रात भर घाट पर निगरानी करने के लिए सचेत किया गया है। निगम के अफसरों का कहना है कि घाट पर कटान का दायरा जिस तरह से बढ़ रहा है, उससे और भी शव बाहर आ सकते हैं।

प्रतापगढ़

समाजवादी पार्टी के नेताओं को जेल में बंद करने की साजिश कर रही सरकार

मृतक तक के खिलाफ दर्ज है रिपोर्ट, सपा जिलाध्यक्ष पर भी हुई फर्जी रिपोर्ट

रानीगंज में अपराध चरम परः शिवाकांत

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के नेताओं पर फर्जी मुकदमे लादकर उन्हें जेल में बंद किया जा रहा है। सरकार समाजवादी पार्टी की लोकप्रियता से घबरा गई है। ब्लाक प्रमुख के चुनाव में उसने जमकर धांधली की और सपा के कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे लाद दिये।

उन्होंने कहा कि ब्लाक प्रमुख चुनाव के दौरान 161 लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट फर्जी ढंग से की गई है। उसमें मेरा छविनाथ यादव का नाम डाला गया है। जबकि मैं आसपुर देवसरा गया ही नहीं था। यही नहीं, 161 नामजद मुकदमों में एक मृतक भी है। पीठापुर गांव का निवासी श्रीराम यादव मर चुका है। पुलिस ने उसके खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज की है तो यह नामजदगी कितनी सही है? इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

सपा जिलाध्यक्ष ने कुण्डा विधायक रघुराज प्रताप सिंह राजा भइया पर आरोप लगाया है कि उनकी साजिश से उनके भाई पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कुण्डा गुलशन यादव पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उन्होंने इसकी जांच उच्चाधिकारियों से कराये जाने की मांग की है।

पत्रकारवार्ता कर उन्होंने ब्लाक प्रमुख के चुनाव में मनगढ़ंत रिपोर्ट पर हल्ला बोला। पत्रकारवार्ता में उपस्थित प्रदेश के पूर्व मंत्री प्रो0 शिवाकांत ओझा ने कहा कि ब्लाक प्रमुख की सीट पर गलत तरीके से सरकार द्वारा कब्जा कराना लोकतंत्र के लिये अच्छा नहीं है।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस बेगुनाह लोगों को अपमानित करने में लगी है। उन्होंने कहा कि आसपुर देवसरा के थानाध्यक्ष ने 24 घंटे के अंदर 161 लोगों को चिन्हित करके उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई जो उनकी कार्यशैली को दिखाता है। उन्होंने कहा कि जो प्राथमिकी दर्ज कराई गई है, उसकी मजिस्ट्रियल जांच होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे में सपा का कोई कार्यकर्ता या पदाधिकारी चुनाव में अगर दिखाई दिया है तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिये। उन्होंने कहा कि रानीगंज में 2012 से 2017 तक अपराध सबसे कम थे किन्तु वर्तमान समय में रानीगंज में अपराध चरम पर हैं। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्याद अली, पूर्व जिलाध्यक्ष भइया राम पटेल, जिला उपाध्यक्ष इरशाद सिद्दीकी, जगदीश मौर्या, पूर्व ब्लाक प्रमुख शांति सिंह, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष राजू यादव, वीरेंद्र सिंह, कुंदन यादव, दीपक यादव, मनीष पाल मीडिया प्रभारी सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने किया जगह-जगह स्वागत

प्रतापगढ़। भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता के नेतृत्व में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी का भाजयुमो कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान भाजयुमो जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता ने बताया की प्रथम बार प्रतापगढ़ जिले में आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत प्रयागराज सीमा पर रामफल इनारी से कोहंडौर तक भव्य स्वागत किया गया। इसी क्रम में बाबागंज व चैक में जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत हुआ। ब्लाक प्रमुख सत्यम ओझा ने रामफल इनारी में, गोपालापुर प्रभाकर पैलेस, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष सूरज सिंह सोमवंशी, भंगवा चुंगी चैराहा पर अनुराग पाण्डेय एवं आलोक शुक्ला चंचल ने चैक घंटाघर में स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष प्रांशुदत्त द्विवेदी ने सभी कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री राजेश सिंह, भाजयुमो जिला महामंत्री लोकेश गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष आनंद सिंह शिल्पी, मृदुल गुप्ता, अनुभव शुक्ला, जिला मंत्री मंगलम यादव, जिला मीडिया प्रभारी संदीप मिश्रा आदि मौजूद रहे।

टाइनी शाखा का ताला तोड़कर नगदी व इनवर्टर चोरी

बाघराय, प्रतापगढ़। बाघराय ब्लॉक बिहार के सामने बारौ गांव निवासी परम प्रकाश ने बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा डेरवा की टाइनी शाखा खोल रखा है। बीते गुरुवार की देर शाम टाइनी शाखा बंद करके परम प्रकाश अपने घर चला गया। सुबह सूचना मिली कि शटर का ताला टूटा पड़ा है जब आकर देखा तो इनवर्टर, पुराना प्रिंटर, बैटरी एवं 32000 नगद चोर उठा ले गए। परम प्रकाश ने लिखित तहरीर थाना बाघराय में दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस अधीक्षक ने 22 उप निरीक्षकगणों का किया स्थानांतरण

धर्मेन्द्र सिंह चौकी प्रभारी भंगवा बनाये गये

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने 22 उप निरीक्षकगणों का स्थानांतरण इधर से उधर किया है जिसमें उ0नि0 भृगुनाथ मिश्र पुलिस लाइन से वरिष्ठ उ0नि0 थाना कोतवाली नगर, उ0नि0 धर्मेन्द्र सिंह थाना पट्टी से चौकी प्रभारी भंगवा, थाना कोतवाली नगर भेजे गये हैं।

इसके अलावा उ0नि0 निकेत भारद्वाज चैकी प्रभारी गड़वारा, थाना अंतू से चैकी प्रभारी दिलीपपुर, थाना कंधई, उ0नि0 अनिल कुमार पाण्डेय चैकी प्रभारी शनिदेव, थाना मांधाता से चैकी प्रभारी गड़वारा, थाना अंतू, उ0नि0 राजीव कुमार थाना बाघराय से चैकी प्रभारी डेरवा, थाना जेठवारा, उ0नि0 सालिक प्रसाद पाठक थाना मांधाता से चैकी प्रभारी शनिदेव, थाना मांधाता, उ0नि0 संतोष कुमार मिश्र क्राइम ब्रांच से वरिष्ठ उ0नि0, थाना लालगंज, उ0नि0 उदय प्रताप सिंह थाना महेशगंज से चैकी प्रभारी लीलापुर, थाना लालगंज, उ0नि0 देवी दयाल कश्यप चैकी प्रभारी डेरवा, थाना जेठवारा से चैकी प्रभारी कमौरा, थाना लालगंज, उ0नि0 अजय पाल सिंह थाना जेठवारा से वरिष्ठ उ0नि0 थाना जेठवारा, उ0नि0 रणविजय सिंह थाना अंतू से अस्थाई चैकी मदाफरपुर, थाना कोहडौर, उ0नि0 हरी मोहन पुलिस लाइन से थाना बाघराय, उ0नि0 दीपक कुमार यादव पुलिस लाइन से थाना महेशगंज, उ0नि0 धनन्जय राय पुलिस लाइन से थाना बाघराय उ0नि0 आलोक कुमार सिंह पुलिस लाइन से थाना हथिगवां, उ0नि0 योगेन्द्र सिंह पुलिस लाइन से थाना मानिकपुर, उ0नि0 ज्ञानेन्द्र कुमार पुलिस लाइन से थाना हथिगवां, उ0नि0 दिनेश चन्द्र तिवारी पुलिस लाइन से चैकी प्रभारी, जिला अस्पताल, थाना कोतवाली नगर, उ0नि0 राजेश कुमार यादव पुलिस लाइन से थाना रानीगंज, उ0नि0 अरूण कुमार सिंह चैकी प्रभारी जेल, थाना कोतवाली नगर से चैकी प्रभारी लवाना, थाना नवाबगंज, उ0नि0 सचिन कुमार पटेल थाना कोतवाली नगर से चैकी प्रभारी जेल, थाना कोतवाली नगर व उ0नि0 ऐहसानुल हक चैकी प्रभारी लवाना को थाना नवाबंगज से अस्थाई चैकी किठावार, थाना अंतू भेजा गया है।

एटीएम से धोखाधड़ी कर पैसा निकालने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

लालगंज, प्रतापगढ़। स्वाट टीम व थाना लालगंज पुलिस टीम के द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर थाना क्षेत्र के सगरा सुन्दरपुर के पहाड़पुर मोड़ के पास से एटीएम से फ्राड करने वाले एक व्यक्ति को स्वीफ्ट डिजायर कार के साथ गिरफ्तार किया गया, जबकि तीन अन्य व्यक्ति मौके से फरार हो गये। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 06 अदद एटीएम कार्ड, एक अदद स्वैप मशीन, एक अदद स्विफ्ट कार व 7000 रू0 नगद बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण शाकिर अली पुत्र लियाकत नि0 भुलियापुर थाना कोतवाली नगर है।

मारपीट के मामले में छह लोगों के विरुद्ध दर्ज हुई रिपोर्ट

बाघराय, प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के बिछलापुर गांव में दो दिन पहले दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले थे। एक पक्ष से राकेश पुत्र राजदेव की हालत नाजुक होने पर राकेश को जिला चिकित्सालय इलाज हेतु भर्ती कराया गया है जहां राकेश का इलाज चल रहा है। दिनेश पुत्र राजदेव की तहरीर पर पुलिस ने गांव के राजेश, शिवमूर्ति, रामदुलारे, कमलेश, मोहित, सूरज के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसआई विनोद कुमार ने जानलेवा हमले के मुख्य आरोपी मोहित को गिरफतार कर विधिक कार्यवाही की है।

संगम स्कूल की गौरी व न्यू एंजिल्स की अंशिता रही स्कूल टापर

सीबीएसई इंटर का रिजल्ट देख परीक्षाथिर्यों के चेहरे खिले

प्रतापगढ़। सीबीएसई इंटर का रिजल्ट शुक्रवार को जैसे ही आया, ज्यादातर छात्र-छात्राओं ने अपने स्कूल पहुंचकर अपना परीक्षाफल देखा या जो दूर थे, वह अपने समीप के साइबर कैफे पर जाकर परीक्षाफल की जानकारी ली। परीक्षाफल देखकर ज्यादातर बच्चे खुश दिखाई दिये।

संगम इंटरनेशनल स्कूल की गौरी सक्सेना को 500 में 489 अंक मिले हैं। जबकि न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल में 500 में 484 अंक पांकर अंशिता सिंह अपने स्कूल की टापर बनी है। इस स्कूल में 481 अंक पाने वाले अरुण कुमार मिश्रा व शिवाकुंज मिश्र द्वितीय स्थान पर, 480 अंक पाकर फैजुल्लाह तृतीय स्थान पर, 478 अंक पाकर आस्था केसरवानी चतुर्थ स्थान पर, 475 अंक पाकर अभिनव मिश्र व बिलाल जाफरी पंचम स्थान पर, 473 अंक पाने वाली श्रेष्ठता जायसवाल छठें स्थान पर, 472 अंक पाने वाली काजल यादव शिवांश विश्वकर्मा आठवें स्थान पर, 469 अंक पाने वाले शशांक तिवारी नवें स्थान पर और 460 अंक पाने वाले आशीष तिवारी दसवें स्थान पर रहे। स्कूल की प्रबंधिका डा0 शाहिदा ने सभी उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को शुभकामना देते हुए कहा कि इंटर के बाद अब कड़ी मेहनत कर छात्र-छात्राएं आगे बढ़ें। कोरोना काल में बाधित पढ़ाई और परीक्षा के बावजूद परीक्षाथिर्यों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। एटीएल स्कूल भुपियामऊ में 91.08 प्रतिशत अंक पाकर आदर्श सिंह प्रथम, 91.04 प्रतिशत अंक पाकर प्रखर द्वितीय, 91.02 प्रतिशत अंक पाकर विवेक मिश्रा तीसरे स्थान पर रहे। विद्यालय प्रबंधिका गीता सिंह एवं प्रधानाचार्य संतोष कुमार दास ने विद्यालय परिवार की तरफ से सभी सफल छात्रों को बधाई दी है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला जेल का किया औचक निरीक्षण

बैरकों की नियमित सफाई के दिये निर्देश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा. नितिन बंसल व पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने शुक्रवार को जिला जेल प्रतापगढ़ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा बैरकों में कैदियों के सामानों एवं बिस्तरों की सघन तलाशी ली गयी।

डीएम ने बैरकों में नियमित रूप से साफ-सफाई कराने हेतु अधीक्षक को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जेल के अन्दर किसी भी तरह के प्रतिबन्धित सामाग्री को अन्दर कदापि न जाने दिया जाये। जिला कारागार में जिलाधिकारी ने कैदियों से बात-चीत कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने जिला कारागार में रसोई घर का भी निरीक्षण किया और साफ-सफाई से भोजन बनाये जाने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतिदिन समस्त बैरकों में बन्दियों की सघन तलाशी करायी जाये यदि किसी बन्दी के पास कोई आपत्तिजनक वस्तुयें बरामद हो तो तत्काल सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाये। उन्होंने कहा कि बन्दियों के भोजन गुणवत्ता की भी समय पर जांच कराते रहे तथा शौचालय एवं नालियों आदि की समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए।

एडीजे कोर्ट समेत विभिन्न मांगो को लेकर वकीलों ने सिविल जज को सौपा ज्ञापन

लालगंज, प्रतापगढ़। वकीलों ने शुक्रवार को दीवानी न्यायालय मे सिविल जज को ज्ञापन सौंपकर यहां एडीजे कोर्ट के शीघ्र संचालन तथा सांगीपुर थाने से जुड़े स्टेट केस की सुनवाई की मांग उठाई है। वहीं अधिवक्ताओं ने ज्ञापन के जरिए लालगंज कोतवाली के स्टेट केस से जुडी पुरानी पत्रावलियो को भी अविलंब स्थानीय न्यायालय भेजवाए जाने की मांग की है। संयुक्त अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय तथा पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल की अगुवाई मे वकीलो ने सिविल न्यायालय मे एकजुट होकर मांगो को लेकर समर्थन मे नारेबाजी भी की। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश तिवारी ने किया। इस मौके पर विकास मिश्र, संदीप सिंह, विपिन शुक्ल, हरिशंकर द्विवेदी, वीरेन्द्र सिंह, मो. इरफान, सिंटू मिश्र, राजेश कुमार, संजय द्विवेदी, कुलदीप तिवारी, मनोज शुक्ल, रमेश पाण्डेय आदि अधिवक्ता रहे।

निरपेक्ष भावना से विकास योजनाओं को करें संचालितः हरिओम

पट्टी ब्लाक सभागार में हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी ब्लॉक सभागार में पट्टी विधान सभा के पट्टी, मंगरौरा, आसपुर देवसरा ब्लॉक और बाबाबेलखर नाथ धाम ब्लॉक के सभी नव निर्वाचित प्रधान और बीडीसी के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता पट्टी ब्लाक प्रमुख राकेश सिंह व संचालन अशोक श्रीवास्तव ने किया।

मुख्य अतिथि हरिओम मिश्र जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज हमारी सरकार सबको सम्मान देने का कार्य कर रही है। आज आप सभी निर्वाचित हुए है और सरकार की जनता को दी गई लाभकारी योजनाओं को जनता तक पारदर्शी रूप से पहुंचाने में आप सभी एक पुल के समान है। सरकार की सफलता और असफलता आप सभी पर निर्भर करती है इसलिए आप सब यशश्वी हो जनता की उम्मीद पर खरे उतरें। जिस प्रकार हमारी सरकार बिना किसी भेद भाव से कार्य कर रही है।

उसी प्रकार आप सभी भी चुनाव के सभी विद्वेष को भुलाकर निरपेक्ष भाव से विकास योजनाओं को संचालित करेंगे। राकेश सिंह ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सपनों को हम सबको पूरा करना है। पट्टी ब्लॉक सभागार में बेलखरनाथ, पट्टी, देवसरा ब्लॉक प्रमुख के साथ सभी मण्डल अध्यक्ष जिला उपाध्यक्ष पवन जी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में महिला को आरोपियों ने पीटा

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के नोहे गांव की रहने वाली रंजना शर्मा हरियल ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 25 जुलाई को गांव के लाल बहादुर, राज बहादुर राम बहादुर एकराय होकर महिला को मारापीटा, गाली गलौज किया और जान से मारने की धमकी दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया।

मनरेगा मे मजदूरी की संख्या को लेकर गोलमाल, आक्रोशित ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

लालगंज, प्रतापगढ़। ग्राम पंचायतों मे मजदूरी के नाम पर भी धन हडपने का गोरखधंधा फिर परवान चढ़ने लगा है। ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा प्रधान से मिलीभगत कर खेत के समतलीकरण मे तीन दर्जन से अधिक मजदूरो को काम पर दिखाकर मात्र दस मजदूरो से तीन दिन मे ही समतलीकरण कराये जाने को लेकर शिकायत की गई है।

लक्ष्मणपुर विकासखण्ड के तिना गांव मे मनरेगा के अर्न्तगत एक लाभार्थी के खेत के समतलीकरण मे मजदूरी के नाम पर धन हडपने का आरोप सामने आया है। वहीं इसी गांव मे प्रधान तथा ग्राम पंचायत विकास अधिकारी की साजिश से संपर्क मार्ग के भी निर्माण मे उसी संपर्क मार्ग पर दोबारा नाम बदलकर काम कराये जाने का भी सनसनीखेज आरोप है। शुक्रवार को गांव के विपिन कुमार दुबे, सदाशिव, अरविंद यादव, प्रताप यादव, सुनील जायसवाल, जयसिंह यादव मोनू, शिवशंकर पासी आदि ने ब्लाक मुख्यालय पहुंचकर बीडीओ को ज्ञापन देकर अनियमितताओं की गहन जांच की मांग की है।

ट्रेन से टकराई बाइक, उड़े परखचे

जगेसरगंज स्टेशन के निकट पद्मावत एक्सप्रेस से हुआ हादसा

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में रेल हादसे रूकने का नाम नहीं ले रहे है। शुक्रवार को दिल्ली से प्रतापगढ़ आ रही पद्मावत एक्सप्रेस बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के चीथड़े उड़ गये। आवाज सुनकर अंदर बैठे यात्री डर गये। उन्हें लगा कि ट्रेन हादसा हो गया। टक्कर के बाद ट्रेन करीब आधे घंटे तक रुकी रही। यात्री उतरकर नीचे भागने लगे। घटना के बाद प्रतापगढ़ अमेठी रूट ठप रहा। सूचना मिलने पर पहुंची आरपीएफ अमेठी ने बाइक को कब्जे में ले लिया। गार्ड एके पांडेय के मेमो पर अज्ञात लोगों के खिलाफ रेलवे एक्ट की कार्यवाई की गई।

सूत्रों के अनुसार अंतू से छूटने के बाद पद्मावत ट्रेन निर्धारित गति से जगेसरगंज की तरफ आ रही थी। स्टेशन से कुछ दूर पहले 913 पोल के निकट ट्रेन पहुंची थी, तभी ड्राइवर श्रीकांत त्रिपाठी की नजर रेल पटरी पर पड़ी। एक बाइक पर दो लोग बैठकर लाइन क्रॉस कर रहे थे। बाइक लाइन में फंस गई। निकाल नहीं पाये। छोड़कर भाग गये। तब तक ट्रेन आ गई। हालांकि ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय दिया। ब्रेक लगाया। स्पीड धीमी हुई। लेकिन ट्रेन बाइक से टकरा गई। उसके टुकड़े हो गये। ड्राइवर ने जगेसरगंज पहुंच कर ट्रेन रोकी। स्टेशन मास्टर को सूचना दी। कंट्रोल मैसेज हुआ। मौके पर पहुंची आरपीएफ लाइन के किनारे पड़ी। बाइक को ले गई। आरपीएफ ने बताया कि दो लोग बाइक के साथ अनाधिकृत तरीके से लाइन क्रॉस कर रहे थे। ट्रेन आ गई। जिसके कारण हादसा हुआ है। बाइक वालों की पड़ताल की जा रही है।

रामपुर घाट सड़क की दुर्दशा पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए सड़क पर की धान की रोपाई

गड्ढा मुक्त सड़क पर सरकार को तंज कसा

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश दुबे के नेतृत्व में कांग्रेस जनों और स्थानीय नागरिकों द्वारा रामपुर घाट मार्ग की दुर्दशा पर शुक्रवार को जलमगन सड़क पर धान की रोपाई करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश दुबे ने कहा कि भाजपा की योगी सरकार ने जिले का विकास रोक दिया है। विकास कार्यों पर धन खर्च करने के बजाय, विज्ञापन पर एक सौ साठ करोड़ खर्च कर रही है। वही बेरोजगार, किसान, व्यापारी रोजगार और काम की तलाश में सड़को पर घूम रहे हैं। सत्ता में आते ही पंद्रह दिनों में गड्ढा मुक्त सड़क का नारा देने वाली सरकार के दावे सिर्फ कागजों पर ही सीमित रह गए हैं, जो एक दुखद बात है।

उन्होंने कहा की जिले का महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रामपुर घाट है। जहा पर सनन पर्व के समय भारी भीड़ होती है। इसके साथ ही अपने जिले के अलावा अन्य जिलों के लोग भी अपने परिजनों की अंत्येष्टि करने के लिए शव को लेकर को आते है। जो मार्ग पर गड्ढे और जलभराव होने के कारण गिर भी जाते हैं।

इस मार्ग की दुर्दशा पर पिछले दिनों सांसद ने बड़ी गर्मजोशी से एक करोड़ पैसठ लाख से सड़क निर्माण की घोषणा कर डाली, परंतु वह सिर्फ घोषणा तक ही सीमित रह गया, कार्य कुछ भी नही हुआ। श्री दुबे ने कहा कि यहां का दुर्भाग्य है कि एक ही सड़क को कभी पीडब्लूडी बनाती है, कभी जिला पंचायत बनाती है और कभी जनप्रतिनिधि बनवाते हैं। यह भदोही का दुर्भाग्य है। स्वास्थ्य व्यवस्था के नाम पर जिले के अस्पताल रेफरल सेंटर बनकर रह गए है। वहां पर मरीजों को न दवा मिलता है न इलाज होता है। सीधे बनारस या प्रयागराज रेफर कर दिया जाता है। प्रदर्शन के अंत में अन्त में सरकार और संबंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा की अगर समय रहते सड़क निर्माण कार्य नही कराया गया तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस अवसर पर रूप से परवेज हाशमी, अजय कुमार पांडे, आकाश मिश्र, रियाज अहमद, सभाजीत यादव, इरफान, प्ररवेश, केशव नाथ चौबे, मठोली मिश्र आदि मौजूद रहे।

पुल निर्माण से करवधिया कटरा मार्ग हुई क्षतिग्रस्त

अखंड भारत संदेश

भदोही । कोइरौना थाना अंतर्गत सीतामढ़ी क्षेत्र के टेला प्रयागराज को करवधिया भदोही जोड़ने वाले करवधिया नाला पर बनने वाले पुल एवं अधूरे सड़क निर्माण से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

बताते चलें कटरा से करवधिया होते हुए बरौत प्रयागराज नेशनल हाईवे को जोड़न वाले मीग पर करवधिया नाले पर भदोही के सांसद रमेश बिद के प्रस्ताव पर पूल का निर्माण कराया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग ज्ञानपुर के ढुलमुल रवैए से पूल के दोनों तरफ सड़क पर केवल गिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है। करवधिया से कटरा तक सड़क पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई है। जगह जगह इतने बड़े गड्ढे हो गए हैं की लोगों को पैदल चलना पड़ रहा है। मजूबरन लोग 10किमी अतरिक्त घूम कर बरौत जा रहें हैं। स्थानीय लोगों में नाले पर पुल और सड़क बनाने की घोषणा पर जो खुशी थी, वह अब आक्रोश में बदल चुका है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग किया है कटरा से करवधिया तक सड़क का पुनः निर्माण कराया जाय।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में चौबिस जोड़ों की हुई शादी

अखंड भारत संदेश

भदोही । सुरियावां विकास खंड के सभागार में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में शुक्रवार को चौबिसों दंपतियों की शादी धूमधाम से संपनन हुई।

पूर्व घोषित के अनुसार शुक्रवार को मुख्यमंत्री सामूहिक योजना में जनपद के कुल 24 लोगों की शादियां संपनन हुई। उक्त अवसर पर क्षेत्रीय विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहां की मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने गरीब कन्याओं की शादी के लिए विभिनन तरह की योजनाएं लागू की है जिसमें एक शादी की योजना है। इस योजना में कुल 51000 खर्च होता है प्रति एक विवाह में। जिसमें 35000 का चेक एवं ?15000 का सामग्री जैसे घड़ी, पायल, कंडाल,प्रेस्टीज कुकर, पगड़ी, पायल, बिछिया, दिया गया परंतु सूची के अनुसार पंखा नहीं दी गई।

लोगों ने कहा कि इस शादी में कई लोग पहले से ही शादी कर चुके थे लाभ लेने हेतु पुनर शादी का स्वांग रचाया। जिला पंचायत

अध्यक्ष अनुरूद्ध त्रिपाठी ने अपने तरफ से कुल 24 लोगों को 1।1 साड़ियां वितरित किया।

विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार में गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की है उसका फायदा अवश्य लें। किसी बिचौलिए के चक्कर में ना रहे। उक्त अवसर पर जिला विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी एवं ब्लॉक के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

ज्ञानपुर विधायक विजय मिश्र ने हाथ जोड़कर समर्थकों का किया अभिवादन, बोले सब ठीक है

अखंड भारत संदेश

भदोही। भदोही जिले में पेशी के लिए शुक्रवार को आए बाहुबली विधायक विजय मिश्र को देखने काफी संख्या में लोग कचहरी परिसर पहुंच गए थे। जिस पर पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर उन्हें जल्द वज्र वाहन में बैठाया और लेकर चल दिए। इस पर विधायक के साथ पुलिस अधिकारियों की हल्की नोकझोंक भी हुई।

महिला उत्पीड़न मामले में पेशी के लिए आगरा जेल से ज्ञानपुर विधायक विजय मिश्र को शुक्रवार को भदोही लाया गया। दोपहर 12 बजकर पांच मिनट पर विधायक कोर्ट में पेश होने के बाद बाहर निकले। यह देख वहां करीब दो घंटे से खड़े उनके सैकड़ों समर्थक उनसे मिलने का प्रयास करने लगे। विधायक भी अपने समर्थकों को निराश नहीं करना चाहते थे। इसके बाद हाथ जोड़कर उन्होंने सबका अभिवादन स्वीकार किया।

समर्थकों से बात करना चाहते थे विधायक

विधायक कुछ बोलना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर उन्हें वज्र वाहन में बैठाने का प्रयास किया। इस पर विधायक और अपर पुलिस अधीक्षक रविंद्र कुमार वर्मा में नोकझोंक भी हुई। विधायक ने वज्र वाहन में बैठने से पूर्व कहा कि सब कुछ ठीक है और आगे भी ठीक ही रहेगा। इस दौरान समर्थकों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने हल्का बल का प्रयोग किया। लाठियां जमीन पर पटकी। पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर समर्थक नाराज हो गए। इस अवसर पर ज्ञानपुर नगर पंचायत के चेयरमैन हीरालाल मौर्य, राजितराम यादव, पवन मालवीय, बुल्लारी शुक्ला, ब्रह्मजीत शुक्ला आदि समर्थक मौजूद रहे।

राष्ट्रीय ग्राम आजीविका मिशन के अंतर्गत गांव का सर्वे कर की गई चर्चा

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। दिन शनिवार को विकास खंड डीघ ब्लॉक के ग्राम पंचायत धारा विशभरपट्टी ग्राम विकास विभाग के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह का गठन करने के लिए आंतरिक सामुदायिक संदर्भ आई सी आर पी के द्वारा आम सभा का आयोजन किया गया ।

जिसमें पूर्व में आई सी आर पी टीम द्वारा गांव का भ्रमण कर सर्वे किया गया था और स्थिति का आकलन करके आम सभा में उपस्थित महिलाओं से चर्चा की गई, जिस में उपस्थित महिलाओं में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान संगीता देवी, पंधारी लाल, ब्लॉक मिशन प्रबंधन रितेश पांडे व अन्य सम्मानित गण उपस्थित रहे।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में जिलाधिकारी ने किया वृक्षारोपण, किया प्रयोगशालाओं का अवलोकन

अखंड भारत संदेश

भदोही। शुक्रवार को जिलाधिकारी महोदया आर्यका अखौरी ने भारतीय प्रौद्योगिकीय संस्थान भदोही का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी महोदया ने संस्थान के कैम्पस में वृक्षारोपण किया। इसके पश्चात् उन्होने कारपेट लैब, प्रयोगशालाओं आदि का अवलोकन किया एवं इसके साथ ही मशीनों के बारे में जानकारी ली। उन्होने हैण्डलूम, अत्याधुनिक जाकार्ड मशीन के बारे में वहा के संचालको व टेकिनशियन से जानकारी ली। संस्थान के डायरेक्टर ने बताया कि यहॉ के प्रशिक्षित बच्चों को दूसरे देशों में प्लेसमेंट भी हुआ है जिसमें यूएसए, यूके, एवं सउदी अरब, आदि देश प्रमुख हैं। जिलाधिकारी महोदया ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहें वर्करों से बात-चीत की और कुछ प्रशिक्षित लाभाथिर्यों को हैण्डलूम मशीन भी वितरित किया। प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे वर्करों ने जिलाधिकारी महोदया से यह निवेदन किया कि कोरोना काल में काम न होने से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गयी है इस कारण हम लोगों को मशीन टूल निःशुल्क दिया जाय। जिलाधिकारी महोदया ने इस सम्बन्ध में आईसीटीसी के डायरेक्टर से विमर्श भी किया।

रेलवे ट्रैक के किनारे अज्ञात शव मिलने से सनसनी

अखंड भारत संदेश

भदोही । जिले के मोंढ़ हरीपट्टी गांव के पास वाराणसी जंघई रेलखंड पर रेलवे ट्रेक के किनारे एक करीब 55 वर्ष के व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गयी।रेलवे ट्रैक के बगल शव मिलने से लोगो का मानना है कि मृतक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गयी है।सूचना मिलते ही मोढ़ पुलिस मौके पर पहुँच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।समाचार लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नही हो पायी थी।

जिले में चलाया गया वाहन चेकिंग अभियान, 331 वाहनों के कटे चालान

अखंड भारत संदेश

भदोही । जिले में चलाए गए साप्ताहिक वाहन चेकिंग अभियान शुक्रवार को सम्पनन हो गया । इस अभियान में चौरी पुलिस ने सबसे अधिक वाहनो के चालान काटे है। थानाध्यक्ष रामदरस ने 190 वाहनो के जबकि चौकी प्रभारी दया शंकर ओझा ने 141 वाहनो के चालान काटे है । कुल मिलाकर चौरी पुलिस ने 331 वाहनो का चालान एक सप्ताह में किया है । चौरी पुलिस की इस कामयाबी की प्रशंसा करते हुवे सीओ औराई अजय कुमार ने बधाई भी दी है । कहा कि जिले में सबसे अधिक चालान काटने के लिए चौरी थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारी दयाशंकर ओझा बधाई के पात्र है।

तीन दिन से विद्युत ट्रांसफार्मर जलने से कौड़र गांव अंधेरे में

अखंड भारत संदेश

भदोही । जिले के सुरियांवा विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत ग्राम सभा कौड़र मैं चार दिनों से विद्युत ट्रांसफार्मर जल जाने के चलते पूरे गांव के लोगअंधेरे में जी रहे है।

उक्त गांव सभा में 63 केवी का दो ट्रांसफार्मर लगे है दोनों 4 दिनों से जल गया है।विभागीय अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया गया परंतु अभी तक नया ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया। विद्युत ट्रांसफार्मर जलने से कई निजी नलकूप भी बंद हो गए है तथा लाइट कनेक्शन धारक अंधेरे में इस मौसम में बिन बुलाए मच्छरों का मेहमान बन रहे हैं। बिजली न रहने से उपभोक्ता एवं नागरिकों को काफी परेशानी झेलना पड़ रहा है। यहां तक कि मोबाइल चार्ज भी नहीं हो पा रहा है। उक्त गांव के दो ट्रांसफार्मर जलने से ब्राह्मण बस्ती, ठाकुर बस्ती, यादव बस्ती, श्रीवास्तव बस्ती, चौहान बस्ती आदि बस्तियों के लोग बिजली न मिलने के चलते अंधेरे में जीवन काट रहे हैं। सबसे बड़ी समस्या तब होती है जब रात में लोग सोते हैं तो मच्छरों ने बिन बुलाए चले आते हैं और अपना काम करके चले जाते हैं। समाजसेवी दीपक उपाध्याय ने जिलाधिकारी एवंविद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी का ध्यान आखिरी कराते हुए कहा कि अभिलंब ट्रांसफार्मर बदले जाने की मांग की है।

शिक्षा कभी बेकार नहीं जाती है, मेहनत और इज्जत की रोटी कमाना सिखाती है : प्रशांत कुमार

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही । जिले की एक ऐसी संस्था जो गरीब बेसहारा बच्चों को न सिर्फ शिक्षा का दान दे रही है, बल्कि उन्हें कॉपी, किताब, रबर, पेंसिल सहित बैग और कपड़े भी देने का काम करती है। ऐसी संस्था ठललक शिक्षा कीठ ओर से पिछले 4 वर्षों से क्षेत्र के लोहराखास गांव सहित अगल-बगल के गांव के बनवासी बच्चों को खेत के जंगल झाड़ी में बैठा कर शिक्षा का ज्ञान बांटने का काम किया। और कारवां बनता चला गया, आज लगभग 50 बनवासी बेसहारा गरीब मजदूर के बच्चों को शिक्षा देने का काम संस्था कर रही है। संस्था के संस्थापक प्रशांत कुमार ने बताया कि मानवता का उद्देश्य यह होना चाहिए कि वह अपने साथ-साथ दूसरों के कल्याण के बारे में भी सोचे। अगर आपके पास शक्ति है, तो उससे कमजोरो को सहारा दीजिये। अगर आपके पास शिक्षा है, तो उसे अशिक्षितों में ज्ञान बाँटिए। जो व्यक्ति दूसरों के दुखों को देखकर दुखी नहीं होता है, वह मनुष्य नहीं होता वह एक पशु के समान होता है। हमारे जीवन में त्याग और

बलिदान करने की भी भावना होनी चाहिए। कहा कि बिना किसी से कुछ लिए अपने गांव घर और क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने का जो बीड़ा उठाया है इससे उन्हें आत्मिक सुख मिलता है उनके परम सहयोगी कुलदीप सिंह का उनके मिशन में सराहनीय योगदान रहता है।

नगर के द्वितीय फीडर दक्षिणी क्षेत्र की लाइन सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक रहेगी बंद

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। विद्युतवितरण खंड गोपीगंज के अवर अभियंता मनोज सिंह ने बताया की नगर गोपीगंज के सेकंड फीडर की लाईन आवश्यक रखरखाव मरम्मत कार्य होने की वजह से शनिवार सुबह 9 से दोपहर 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। जेई मनोज सिंह के अनुसार जी टी रोड दक्षिण, सदर मोहाल, खरहट्टी मोहाल, अंजाहि मोहाल, सराय मोहाल, आदि क्षेत्रों में विद्युत प्रभावित रहेगी। इसी प्रकार नई विद्य?ुत लाइनों के विस्तार के चलते शनिवार को सुबह 9 से शाम 5 बजे तक प्रथम फीडर से जुड़े क्षेत्रों में विद्य?ुत आपूर्ति चालू रहेगी। समस्त सम्मानित उपभोक्ताओं से अनुरोध है की पेयजल या आवश्यक कार्य कर लें।

पुलिस के गिरफ्त में आया दुराचार का आरोपी, मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

हनुमानगंज। साथमे पढ़ने वाला प्रेमी ही निकला दगाबाज। जी हां ऐसा ही कुछ मामला सराय इनायत थाना क्षेत्र के एकगांव का मामला सामने आया है एक इंटर मीडिएट की छात्रा गांव से कुछ दूर एक कालेज मे पढ़ती थी जहां गांव का एक युवक भी साथमे पढता था।

दोनों के बीच नजदीकियां बढने लगी और एक दूसरे के करीब आगए इसबात की भनक जब परिजनों को लगी और इसका बिरोध किया तो दोनों कुछ दिन बाहर रहने लगें। आरोप है कि युवती को शादी का झांसा देकर उसकी स्मत लूटता रहा। कुछदिन बीतने पर जब उसका बच्चा युवती के पेटमे पलने लगा तो उसने शादी का दबाव बनाया जिसपर युवक गर्भपात कराने का दबाव बनाने लगा और पिछले दिनों उसे कोर्ट मैरेज कराने के नामपर ले जाके एक समझौता पत्र पर साइन करालिया जिसकी सिकायत पीड़िता ने थाने मे की तो पुलिस ने उसे यह कहके भगादिया कि उसने कोर्ट मे लीखित रुपसे समझौता कर लिया है। इसबात से नाराज युवती के परिजन भी उसे घरसे निकाल दिए और उसका प्रेमी भी बीच मझधार मे उसका बांह छोड़दिया पीड़ित युवती को ऐसे मोड़पर लाकर छोड़ दिया जहांसे उसके लिए कोई रास्ता नहीं बचा है । गुरुवार को इसका मामला जब समाचार पत्रो मे प्रकाशित हुआ और बात पुलिस के उच्च अधिकारियों तक पहुंची तो सराय इनायत पुलिस ने शुक्रवार को दुराचार सहित मोबाइल पर जानसे मारने की धमकी का मामला दर्ज किया और आरोपित शेर बहादुर यादव निवासी कोटवां मलखानपुर को हिरासत मे लेकर मामला दर्ज करलिया है। बतादें कि समझौते पर साइन के बाद ही पिछले मांह युवक ने दूसरी लड़की से शादी रचा ली।

15 वर्षीय अज्ञात किशोरी का मिला शव

लालापुर। शुक्रवार की शाम 5:00 बजे क्षेत्र के भोड़ी पंप कैनाल मैं 15 वर्षीय अज्ञात किशोरी का सड़ा गला शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर रही है। बारा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत थोड़ी में शुक्रवार की शाम 5 बजे नहर के आस-पास युवक पशु चरा रहे थे कि तभी नहर पुलिया पर आराम करने के लिए बैठ गये। वहां दुर्गंध उठने लगी। जिस पर युवकों ने पुलिया से झांका तो नहर में शव दिखाई दिया। जिस पर युवकों ने मामले की सूचना ग्राम प्रधान भोंड़ी प्रदीप कुमार सिंह को दी। प्रदीप कुमार सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल इसकी सूचना बारा पुलिस को दी।

विधायक कोरांव ने कौंदी में पंचायत भवन का किया लोकार्पण

हमारी सरकार विकास में करती है विश्वास - राजमणि कोल

अखंड भारत संदेश

रत्योरा(प्रयागराज। विकासखंड कोरांव के ग्राम पंचायत कौंदी में नवनिर्मित पंचायत भवन का शुक्रवार को कोरांव विधायक राजमणि कोल के द्वारा फीता काटकर लोकार्पण किया गया। पंचायत भवन के उद्घाटन के दौरान विधायक ने वर्तमान सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों व योजनाओं को बताते हुए कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक गांव में पंचायत भवन का निर्माण इसलिए करवा रही है कि आम जनता को पूरी सुविधाएं उनके गांव में ही उपलब्ध हो सके।

आगे कहा कि हमारी सरकार गांवो को हाईटेक बना रही है। जिसके लिए ग्राम पंचायतों को अलग से बजट भी दे दिया है। पेयजल योजना के तहत पंचायतों

में एक बड़ी टंकी का निर्माण करवाने जा रही है।

जिससे हर गांव और ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ व सबका विकास के कार्यों को वरीयता दे रही है। विकासखंड कोरांव के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में निजी कार्यालय के रूप में पंचायत भवन का निर्माण किया जा रहा है।

पंचायत भवन के निर्माण से आने वाले दिनों में ग्रामीणों को अपने कार्यों के लिए दर-दर भटकने से सहूलियत प्राप्त होगी। पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निरंतर प्रयास रत हैं। जिनके प्रयास का परिणाम आज हर ग्राम पंचायतों में दिखलाई पड़ रहा है।

कौंदी ग्राम पंचायत के पंचायत भवन उद्घाटन के अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी कोरांव रमाशंकर सिंह, सहायक विकास अधिकारी पंचायत रामसूरत यादव, यज्ञ नारायण, ग्राम विकास अधिकारी विवेक मिश्रा ग्राम विकास अधिकारी इन्द्रबहादुर सिंह ग्राम प्रधान नवनिर्वाचित पुष्प देवी बृजमोहन सिंह संजय सिंह पटेल, विधायक पीआरओ रामाश्रय शुक्ला, तथा ग्राम पंचायत कौदी के वर्तमान व पूर्व प्रधान उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

बेलगाम तालिबान

ब्लिंकेन जब भारत से तालिबान को चेतावनी दे रहे थे, तभी मुल्ला अब्दुल गनी बरादर की अगुआई में चीन गया तालिबान का एक डेलीगेशन वहां के विदेश मंत्री से बातचीत कर रहा था। भारत यात्रा पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने बुधवार को अफगानिस्तान पर काबिज होते जा रहे तालिबान को कड़ी हिदायतें दीं। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान पर तालिबान का बलपूर्वक कब्जा उस देश के लिए बर्बादी का सबब बन सकता है और खुद तालिबान भी ऐसा करके कुछ खास हासिल नहीं कर पाएगा। अमेरिका की ओर से यह सलाह ऐसे समय आई है, जब तालिबान लड़ाके अफगानिस्तान के अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने के अभियान में लगे हुए हैं और आसपास के ज्यादातर प्रभावशाली देश उन्हें रोकने का इंतजाम करने के बजाय उनसे हाथ मिलाने की तरकीबें खोज रहे हैं। ब्लिंकेन ने नई दिल्ली में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि अमेरिका भले अफगानिस्तान से अपनी फौजें हटा रहा है, लेकिन वह अपनी नजरें वहां से नहीं हटाएगा। अमेरिका का यह दावा खोखला है। सच तो यह है कि 9/11 आतंकवादी हमलों के बाद उसने अफगानिस्तान में अल कायदा और उसके आतंकवादियों को पनाह देने वाले तालिबान के खिलाफ जो लड़ाई शुरू की थी, उसमें आखिरकार उसे हथियार डालने का फैसला करना पड़ा। बेशक, दो दशक लंबी चली इस लड़ाई में उसने अल कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को मारने के साथ उसके आतंकवादी नेटवर्क को कमजोर करने में सफलता पाई। लेकिन न तो वह अल कायदा को खत्म कर पाया और ना ही तालिबान को कमजोर।

संयुक्त राष्ट्र की एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अफगानिस्तान के कई सूबों में अल कायदा का नेटवर्क मौजूद है। तालिबान पहले की तरह इन आतंकवादियों के संरक्षक बने हुए हैं। ऐसे संगीन हालात के बीच अमेरिका ने अफगानिस्तान से सेना बुलानी शुरू की तो तालिबान ने देश में अधिक से अधिक हिस्से पर कब्जे की मुहिम और तेज कर दी। आज अगर इस पूरे क्षेत्र में तालिबान के कारण अस्थिरता की स्थिति बन रही है तो उसके लिए अमेरिका ही दोषी है। इतना ही नहीं, उसके इस फैसले के कारण अफगानिस्तान में चीन का दखल बढ़ने की आशंका भी पैदा हो गई है। ब्लिंकेन जब भारत से तालिबान को चेतावनी दे रहे थे, तभी मुल्ला अब्दुल गनी बरादर की अगुआई में चीन गया तालिबान का एक डेलीगेशन वहां के विदेश मंत्री से बातचीत कर रहा था। जहां चीन ने तालिबान को अफगानिस्तान की एक अहम सैनिक और राजनीतिक ताकत करार दिया, वहीं तालिबान ने आश्वस्त किया कि वह अफगानिस्तान की भूमि का चीन के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देगा। पाकिस्तान और तालिबान के रिश्ते भी किसी से छिपे नहीं हैं। इस बीच काबुल में अफगान सरकार की बेबसी बढ़ती जा रही है। अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी ने एक बार फिर वैश्विक समुदाय को आगाह किया है कि यह बीसवीं सदी का तालिबान नहीं बल्कि बहुराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क और बहुराष्ट्रीय अपराधी नेटवर्क का एक मिला-जुला रूप है। इसलिए इसे रोकना ही होगा।

मैदान छोड़ना नहीं, कान बंद करना है कमजोरी की निशानी

शताक्षी अस्थाना

जब कोई कुछ बोले तो यही बता दो। 24 साल की उम्र में उसे उँध्ंऊ कहा जाता है। मतलब उ्रीू र्द ँत्त् ऊग्स। सबसे महान। क्यों जिमनास्टिक्स की सुपरस्टार और अमेरिका जैसे देश को दुनिया के सामने रीप्रजेंट करने वाली शख्सियत, लेकिन अमेरिका हो, ब्रिटेन हो या दुनिया का कोई देश, कोई कोनाष्ठजिमनास्ट हो, क्रिकेटर हो या किसी और खेल का बड़े से बड़ा खिलाड़ी, फिल्म स्टार हो या आम इंसान, 'मजबूत' होने के स्टैंडर्ड बड़े गजब हैं।'ये कैसी ऐथलीट है देश को रीप्रेजंट कर रही थी। ओलिंपिक जैसा कॉम्पिटिशन था।

स्पोर्ट्समैनशिप तो ये नहीं होती।' क्या होती है जो भी होती है, किसी इंसान के दिमाग, उसकी जिंदगी से बड़ी होती है वो ओलिंपियन है, उसे पता है मेडल की कीमत। वो कीमत चुकाकर अगर वो कोई और फैसला कर रही है तो वो कितना जरूरी होगा! और वो भी ऐसे पड़ाव पर। उसके मन के अंदर कितना शोर मचा होगा जो उसने भीड़ की उम्मीदों को गूंगा कर दियाष्ठ पब्लिक फिगर्स के साथ ये एक बड़ी दिक्कत है। एक छवि बन जाती है, फिर उसे मेंटेन करो, 'फैन्स' के लिए सब करो, जान लगा दो और फिर वही जिंदगी जियो जो एक्सेप्टेबल हो। टीवी पर संस्कारी बहू हो तो स्विमसूट में फोटो नहीं डाल सकतीं आप। होंगे आपके नाम क्रिकेट के अनगिनत रेकॉर्ड, मैच हारे ना तो घर क्यों ना तोड़ दें गर्लफ्रेंड को क्यों ले गए स्टेडियम आपके प्यार के चक्कर में ही हमारा एंटरटेनमेंट नहीं हुआ वरना इससे पहले कहां हारे थे कभी। प्रिंस से शादी की थी ना, पता नहीं था कि टॉक्सिक माहौल होगा वहां। अब क्यों रो रही हो ऐथलीट हैं आप मैडम, 'क्विट कर दिया', ऐसे कैसे क्विट कर दिया। हमारे मेडल का क्या हमारे देश का क्या स्पोर्ट्स में तो लोग टफ होते हैं, फाइट करते हैं। अजी हां, पब्लिक फिगर हो या आम इंसान, टफ की जो परिभाषा तैयार की गई है वो सिर्फ समाज को 'सहज' रखने के लिए की गई है क्योंकि उसके उलट जो होगा, वो हम सुनना नहीं चाहते। पुरुषों को बना दिया 'मर्द' जिसको दर्द नहीं होता क्योंकि दर्द तो औरतों को होता है और औरत तो कमजोर है तो पुरुष को दर्द नहीं हो सकता वरना वो और औरत एक-बराबर हो जाएंगे। ये कैसे हो सकता है! अब भले ही आदमी अंदर घुटे, सिर फटे, रोए, पागल हो जाए लेकिन बोले ना कि हां, मेरा दिल बैठ रहा है। वो बोलेगा तो पूरी व्यवस्था बिगड़ जाएगी। अच्छा, ऐसे आदमियों को औरतों वाले नाम गालियों की तरह भी दिए जाते हैं। लड़की है क्या, चूड़ी पहन ले, लहंगा पहन ले, जाने क्या-क्या और जब कोई आदमी पहन ले चूड़ी तो वो भी नहीं बर्दाश्त। लो। मतलब रास्ता मत निकालो मन हल्का करने का क्योंकि हम नहीं चाहते देखना। हम कंफर्ट जोन में हैं, हमें न डिस्टर्ब करो। सालों साल हो जाते हैं लोग मन में बातें दबाए रहते हैं। इसी डर से कि बोला तो रिऐक्शन क्या होगा। किसी को समझने के लिए झुकना पड़ सकता है, हार माननी पड़ सकती है। ऐसी बातें माननी पड़ सकती हैं जिन्हें सुनकर हम असहज हो जाते हैं। क्यों बच्चे डिप्रेशन में चले जाते हैं परिवार के अंदर ही ऐसा माहौल क्यों नहीं है जहां वो खुलकर, बिना रिऐक्शन की चिंता किए अपनी बात कह सकें उनकी हर गलती को, या गलती ना भी हो तो भी, उनकी जिंदगी के लिए नुकसानदायक बताने की जगह कभी 'चार लोग क्या कहेंगे' तो कभी 'ऐसा नहीं होता' क्यों पढ़ा दिया जाता है।

उनकी खुद की जिंदगी की क्या अहमियत है नंबर, बड़ा कॉलेज, डिग्री, नौकरी, पैसे, 'सेटल्ड लाइफ', फेम, आर्ट या इंटेलिजेंस भी, क्या यही पहचान होती है किसी की पहचान होती है तो भी ठीक, इसके इधर-उधर जाने के बारे में सोच नहीं सकता, इस सेट पैटर्न को फॉलो करने में अगर चूक हुई तो 'जिंदगी ही खराब' हो गई हम खुद सोचने लगते हैं क्योंकि कंडीशनिंग ऐसी है। क्या जिंदगी इसी से तय होती है कि हमने क्या किया, हमारे साथ क्या हुआ, हमें क्या मिला असल में हम कौन हैं, इसकी कोई वैल्यू नहीं सिमोन के साथ यही हुआ। ओलिंपिक जैसे मंच पर मेडल की रेस से नाम वापस लेना इतना बड़ा क्यों है क्या सिमोन सिर्फ एक खिलाड़ी है खेलने और जीतने के लिए ही पैदा हुई है मजे की बात ये है कि जिन उम्मीदों के प्रेशर में बदल जाने की बात सिमोन ने कही, वही अब जाहिर भी हो रहा है उन सवालों में, कि आपने क्विट किया क्यों क्विट करने वाला इंसान कमजोर नहीं होता क्योंकि टॉक्सिक माहौल से बाहर निकलने के लिए हिम्मत चाहिए होती है और वो भी तब जब सारी दुनिया आपको देख रही हो।

बड़े-बड़े लोगों का कहना है कि हार के डर से सिमोन ने ऐसा किया, अपनी टीममेट्स के बारे में नहीं सोचा, उनके ऊपर खर्च किए गए रिसोर्सेज के बारे में नहीं सोचा, उनके होने से जिन लोगों को वहां जगह नहीं मिल सकी उनके बारे में नहीं सोचा। कैसे पता कि नहीं सोचा और सोचकर अपना फैसला बदल देती और फिर जिमनास्टिक्स के बारे में मुझे नहीं

पता लेकिन जितना समझा उससे ये लगा कि जो सिमोन अटेंप्ट करने जा रही थीं, वो सबसे मुश्किल होता है। अब सिमोन सारी दुनिया के बारे में सोचकर अटेंप्ट करतीं और उनके डर सही साबित होते तो चोट लगती या हार जातीं। 24 साल की उम्र में इतना ऊंचा स्टेटस हासिल करने के बाद प्रेशर के इस हद तक हावी होने की वजह से हार जातीं तो क्या होता क्या होता है आमतौर पर दुनिया में अनगिनत उदाहरण हैं लेकिन लोगों को उन जिंदगियों को बचाने से ज्यादा कंफर्टेबल लगता है लकीर पर चलना।

सिमोन ने डिप्रेशन या उससे भी ज्यादा भयावह अंत वाली जिंदगी चुनने से बेहतर समझा समय रहते खुद को बचाना। और दिक्कत यही है कि बच गई तो गलत है, बर्बाद हो जाती तब कहीं जाकर दया दिखा भी देते। डिप्रेशन, एंग्जायटी से लेकर स्टेज फ्राइट और सेल्फ डाउट तक कोई भी मानसिक तनाव, इंसान को अंदर ही अंदर दीमक की तरह खाता रहता है। समाज को वही चाहिए होता। अंदर घुटो, हमारा सीन मत खराब करो। बोलो मत। व्यवस्था में चलो, तोड़ो मत। बोलो मत। बस महान बनो। कैसे सहकर। दिमाग की सुनो, दिल की मत सुनो। दिमाग बताएगा, चार नतीजे। डरो, बैठ जाओ। बोलो मत। खुद को चुना तो सेल्फिश हो जाओगे। हमेशा मन में द्वंद चलता है तो चले, खुद घुटो, हमसे क्या। मन हल्का करने के लिए लिख लेना शायरी, कविताएं, गा लेना गाने, बना लेना पेंटिंग लेकिन दिल खोलकर मत रखना क्योंकि वो हम सुन नहीं पाएंगे और तुम्हारे मन, तुम्हारी मन की शांति से ज्यादा जरूरी है हमारा रेत में मुंह देकर रहना क्योंकि तुम्हारे बोलने से हमारा कंफर्ट बबल डिस्टर्ब होता है। हमारी गलतियां दिखती हैं जो हम देखना नहीं चाहते क्योंकि भई, हम तो सही हैं।

हम गलत हो ही नहीं सकते। इंसान को उसके निजी व्यक्तित्व के आधार पर और उसके सम्मान के साथ ट्रीट नहीं किया जाता। सबके लिए खांचे बने हैं, उन्हीं में फिट होना है। और इसे जोड़ दिया जाता है जिंदगी सफल होने से, सेटल होने से। जिस कंफर्ट जोन में बिना विपरीत विचारों को जवाब देने की जरूरत के हम रहे हैं, वैसा ही आप अपने लिए बना लें। आप जिससे इंटरैक्ट करें, उसको भी उसी तरह आपसे पेश आना हो क्योंकि कॉन्फ्लिक्ट नहीं चाहिए। जो हम मानते हैं, हमें वही सच सुनना है। भले ही वो सिर्फ हमारा सच हो, सुनना हमें वही है। और आपके ऊपर हमारी जितनी चल सकेगी, हम चलाएंगे। कंट्रोल का एहसास होता है ना उससे। हमें भी लगता है कि हमने जीवन में कुछ कर लिया, किसी को अपने हिसाब से कंट्रोल करके। ये चुप रहना नॉर्मलाइज करना, इसे महान बनाना यही असली कमजोरी की निशानी है। सुन नहीं सकते, बर्दाश्त नहीं कर सकते किसी के मन का सच क्योंकि वो हमारी उम्मीदों, हमारी कंडीशनिंग, हमारे विश्वास से मेल नहीं खाता। वो चुनौती देता है हमारी सीख को। इसलिए कड़वा लगता है। टेंशन, तनाव, डिप्रेशन, एंग्जायटी, पैनिक जैसी मानसिक स्थितियों को हराकर, इन्हें खुद को बर्बाद करने से रोका भी जा सकता है। कुछ लोग कहते हैं म्यूजिक का सहारा लो लेकिन ऐसे कई म्यूजिशन रहे जो उसकी मदद से खुद इस अंधेरे से बाहर निकल नहीं पाए।

वो चिल्लाते रहे गानों के पीछे छिपकर लेकिन असली बात, असली डर मन में दफन रहा और खा गया। कहते हैं एक्सरसाइज करने से हॉर्मोन्स बेहतर महसूस करने में मदद करते हैं। सिमोन और विराट कोहली जैसे स्टार स्पोर्ट्सपर्सन भी इसे झेलते रहे। कहते हैं जो खुश रहने की कोशिश करो लेकिन कमीडियन्स तक इससे गुजरे। ऐसा नहीं है कि इस सबसे कुछ होता नहीं है। होता है, जरूर होता है लेकिन तब जब इन तरीकों की आढ़ में सच छिपाने की जंग न चल रही हो लेकिन समाज सच छिपाने पर मजबूर करता है। क्यों बच्चों से लेकर बुजुर्ग महिलाएं और पुरुष भी अपने साथ हुए अपराध का सच बताने से डरते हैं यही सोचकर की रिएक्शन क्या होगा क्यों बच्चे आज भी अपने मन की सुनने की जगह पैसे की रेस में भागने वाला प्रफेशन चुनते हैं यही सोचकर कि रिएक्शन क्या होगा क्यों ब्रिटेन जैसे देश में एक राजघराने के नियमों को बंधन मानने से पहले किसी को चार बार सोचना पड़ता है यही सोचकर कि रिएक्शन क्या होगा क्यों अपना सच दुनिया के सामने रखने से पहले किसी को हजार बार सोचना पड़ता है इसीलिए, कि रिऐक्शन क्या होगा चर्चाएं नहीं होतीं, बहस होती हैं, लड़ाइयां होती हैं। समझने की नहीं, खुद को सही साबित करने की होड़ है। महानता दिल बड़ा रखने में है, जीतने में नहीं। हम दुनिया के बारे में बहुत सोचते हैं और दूसरों से उम्मीद करते हैं कि वे भी दुनिया के बारे में सोचें। दुनिया व्यवस्था चाहती है, ढांचा चाहती है, स्थिरता चाहती है। इसे डिस्टर्ब किया तो क्रूर, घिनौना रूप दिखाती है। जो सब करते हैं, वो करते रहो तो ठीक। तुम खास नहीं हो जो तुम्हारे लिए नियम बदले जाएं। दिक्कत ये है कि ये एहसास प्यार या चिंता से नहीं आया है। ये नकारात्मकता और सत्ता, प्रभुत्व के दंभ की तलाश में आया है। जीतने की जिद, खुद को विजेता साबित करने की जिद में आया है। लेकिन दुनिया को बचाने की ताकत किसी सत्ता, किसी जीत, किसी श्रेष्ठता में नहीं सिर्फ प्रेम में है। शांति, सिर्फ प्रेम में है।

बच्चों को ऑनलाइन ट्रैफिकिंग से बचाने के लिए चाहिए सख्त और मजबूत कानून

ज्योति माथुर

भारत के सुदूर आदिवासी गांव में 13 वर्षीय देविका (बदला हुआ नाम) अन्य लड़कियों की तरह अपने परिवार के साथ रहती है। वह स्कूल जाती, दोस्तों के साथ खेलती और माता-पिता के कामकाजी होने के कारण उसे अपने तीन छोटे भाई-बहनों की कभी-कभार भी देखभाल करनी पड़ती। लेकिन इसी बीच कोरोना महामारी आ गई। महामारी में लॉकडाउन की वजह से उसके माता-पिता ने भी अपनी आजीविका के साधन उसी तरह खो दिए, जिस तरह लाखों लोगों ने खोए। परिवार की आय कम हो गई और सबका गुजारा करना उसके माता-पिता के वश में नहीं रहा। इस बीच देविका के स्कूल भी बंद हो गए। उसके माता-पिता आय के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करने लगे और देविका अब दिनभर अपने छोटे भाई-बहनों की देखभाल करने लगी। जीवन के उन गहरे दुख भरे दिनों में देविका के पिता का परिचित एक व्यक्ति उनके पास कमाई का एक प्रस्ताव लेकर आया। उसका प्रस्ताव था कि यदि आप पैसा कमाना चाहते हैं, तो आपको करना सिर्फ यह है कि बंद दरवाजों के भीतर एक कैमरे के सामने आपकी बच्ची को अपने जिस्म से कपड़े उतारने होंगे। ऐसा करने से किसी को इसकी भनक भी नहीं लगेगी। जिस परिवार के लिए दो वक्त का खाना भी मुश्किल हो रहा था, वह कर भी क्या सकता था उनके पास स्थानीय साहूकारों से ऋण लेने के लिए भी कोई चल-अचल संपत्ति नहीं थी। इसलिए जीवन से हताश-निराश देविका के लाचार पिता अनिच्छा से सहमत हो गए और अपनी बेटी को उनके निर्देशों का पालन करने के लिए कह दिया। मानसिक रूप से घबराई और असमंजस में पड़ी बच्ची के पास पिता की बात को मानने के अलावा कोई चारा न था। इंटरनेट की शक्ति और पहुंच से अनजान मासूम बच्ची को जब भी कैमरे के सामने कपड़े उतारने को कहा जाता, वह वैसा ही करती और उसकी रिकॉर्डिंग होती रहती। देविका और उनके पिता भी इस बात से पूरी तरह बेखबर थे कि लाखों लोगों द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करके उसकी नगन्वीडियो को रोज देखा जाता है। यह ऑनलाइन चाइल्ड पोर्नोग्राफी का एक क्लासिक उदाहरण है, जहां एक बच्चा न सिर्फ उसका शिकार होता है बल्कि उसकी वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर वायरल भी की जाती हैं। यह सब कानूनी अपराध है। लेकिन, यह संगठित अवैध कारोबार देश में धडल्ले से फलफूल रहा है। कोरोनाकाल में तो इसकी मांग तेजी से बढ़ी है।

भारत में ऑनलाइन ट्रैफिकिंग बच्चों के लिए तेजी से उभरता हुआ एक नया खतरा बन कर सामने आया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के डिपार्टमेंट्स ऑफ द स्टेट द्वारा प्रकाशित नवीनतम ट्रैफिकिंग इन पर्सन्स (ऊघ्झ्ए) रिपोर्ट-2021 के अनुसार भारत में बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री की ऑनलाइन खोजों में 95 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। भारत अब ऑनलाइन बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री की खोज के लिए दुनिया के देशों में बहुत उच्च स्थान पर पहुंच गया है। अकेले भारत से वैश्विक ऑनलाइन की कुल 11.6 प्रतिशत सामग्री खोजी जा रही है। इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन फंड की एक रिपोर्ट बताती है कि पहले लॉकडाउन के दौरान भारत में चाइल्ड पोर्नोग्राफी की मांग में दो सौ गुना की बढ़ोत्तरी हो गई थी। चाइल्ड पोर्नोग्राफी की तेजी से बढ़ती मांग की वजह से मुनाफा कमाने वाले अवैध कारोबारी देविका जैसे बच्चों को निशाना बनाने लगे हैं। उसके परिवार की गरीबी का फायदा उठा कर उसका पोर्न वीडियो बनाने लगे हैं। ऐसा नहीं है इसके खिलाफ हमारे देश में कानून नहीं है। कानून तो है, लेकिन कमजोर है। उसमें कमियां हैं। पिछले कुछ सालों में जिस तरह से आधुनिक संचार क्रांति ने हमारे जीवन को प्रभावित किया है, उससे पोर्नोग्राफी पेश करने के नए-नए तरीके इजाद किए हैं। ऐसे में इस अपराध से निपटने के हमारे कानून पुराने पड़ गए। उनमें बदलाव की जरूरत है। देविका के उदाहरण से ही मौजूदा कानून की खामियों पर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। चूंकि पीडि.ता एक बच्चा है, इसलिए यह बच्चों के लिए बनाए गए विशेष कानून यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 की धारा-13,14 और 15 के तहत और सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम-2008 की धारा 67 बी के तहत अपराध है। लेकिन, देविका का मामला इन धाराओं से कहीं ज्यादा संगीन है। देखा जाए तो यह ऑनलाइन यौन व्यापार के लिए बच्ची की खरीद-फरोख्त का मामला है। जो ट्रैफिकिंग का ही एक रूप है। लेकिन मौजूदा ट्रैफिकिंग कानून के अनुसार यानी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा-370 के तहत यह ट्रैफिकिंग नहीं है। जाहिर है, ऐसा न होना अपराधी को बेखौफ बनाता है। नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित बाल अधिकार कार्यकर्ता श्री कैलाश सत्यार्थी ने ऑनलाइन ट्रैफिकिंग की इन चुनौतियों को समझा और सरकार से एक मजबूत एंटी ट्रैफिकिंग कानून बनाने की मांग की। इस मांग को लेकर वे सड़क पर उतरे और लंबा आंदोलन चलाया। साल 2017 में उन्होंने देविका जैसी अबोध बच्चियों की सुरक्षा के लिए 12 हजार किलोमीटर की देशव्यापी 'भारत यात्रा' का आयोजन किया। 22 राज्यों से गुजरते हुए 35 दिन तक चली इस यात्रा में शामिल होकर लाखों लोगों ने सड़कों पर मार्च किया और सरकार से एक मजबूत एंटी ट्रैफिकिंग कानून की मांग की। नतीजन भारत सरकार ने ट्रैफिकिंग इन पर्सन्स (प्रीवेंशन, केयर एंड रीहैबिलिटेशन) बिल-2018 संसद में पेश किया। लोकसभा में यह बिल पारित हो गया था। लेकिन राज्यसभा में पेश न हो पाने से यह पारित नहीं हो पाया था। जिससे 2019 में बनी नई लोकसभा में इसका अस्तित्व समाप्त हो गया। केंद्र सरकार अब इस बिल को नए सिरे तैयार कर संसद के मौजूदा मानसून सत्र में पेश करने जा रही है। प्रस्तावित ट्रैफिकिंग इन पर्सन्स (प्रीवेंशन, केयर एंड रीहैबिलिटेशन) बिल-2021 देविका जैसी बच्चियों के लिए वरदान साबित होगा। यह बिल ट्रैफिकिंग के अपराध के तहत इस तरह के ऑनलाइन यौन शोषण को सम्बोधित करता है और इससे निपटने वाली वर्तमान कानूनी व्यवस्था में जो खामियां हैं उनको भी दूर करता है। 'यौन शोषण' और ट्रैफिकिंग शब्द की परिभाषा में स्पष्ट रूप से इस तरह के अश्लील साहित्य व पोर्न विडियो को शामिल किया गया है। विशेष रूप से बच्चों के मामले में इसे तो बहुत ही प्रभावी ढंग से स्पष्ट किया गया है। ऑनलाइन यौन शोषण को भी अब यौन शोषण की परिभाषा के तहत शामिल किया गया है। जहां एक बच्चा न सिर्फ उसका शिकार होता है बल्कि उसकी वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर वायरल भी की जाती हैं। ऐसे मामलों में पीडि.ति की सहमति का कोई महत्व नहीं है। भले ही पीडि.ति बच्चा हो या वयस्क। नए एंटी ट्रैफिकिंग बिल में यह एक महत्वपूर्ण प्रावधान है। इसके अलावा यदि बच्चा 12 वर्ष से कम आयु का है तो सजा और भी अधिक है। इसके लिए न्यूनतम 20 वर्ष का कठोर कारावास या आजीवन कारावास की अधिकतम सजा है। दोष सिद्ध होने पर मृत्युदंड तक भी दिया जा सकता है। नए बिल में ट्रैफिकर की संपत्ति को जब्त करने का प्रावधान है। अपराध से होने वाली आय को भी नहीं बख्शा गया है। अपराध से की गई आय में, प्रॉपर्टी समेत अन्य सभी चीज़ें शामिल हैं। बिचौलिए यदि किसी अश्लील सामग्री को ऑनलाइन प्रकाशित करते हैं, या ऐसी सामग्री मिलने पर पुलिस को रिपोर्ट नहीं करते हैं, तो उन्हें भी बिल के तहत कड़ी सजा दी जाएगी। बिचौलियों में वे संस्थाएं भी शामिल हैं, जो इंटरनेट या दूरसंचार सेवा प्रदाता हैं या फिर ऑनलाइन मार्केटप्लेस और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जो डेटा स्टोर करती और संचालित करती हैं।

प्रस्तावित एंटी ट्रैफिकिंग बिल न केवल हमारे देश की 39 प्रतिशत आबादी के बचपन की रक्षा करेगा, बल्कि उन्हें समाज में गरिमा के साथ जिंदगी जीने की गारंटी भी देगा। लिहाजा बच्चों के हित में सभी राजनीतिक दलों को एकजुट होकर इस बिल का समर्थन करना चाहिए और संसद में पारित कर इसे कानूनी जामा पहनाना चाहिए।

इसलिए मुश्किल है कोरोना का भविष्य बताना

गगनदीप कांग

हफ्ता भर पहले आए सीरो सर्वे से पता चलता है कि देश की 68 फीसदी आबादी कोविड के संपर्क में आ चुकी है। दूसरी लहर के पहले हुए सर्वे के जो आंकड़े आए थे, उससे बहुत ज्यादा है यह संख्या। उस सर्वे से जानकारी मिली थी कि कुछ शहरी इलाकों में आधी आबादी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या का पांचवां हिस्सा वायरस से संक्रमित हो चुका है। नया सर्वे इस बात का भी संकेत है कि दूसरी लहर कितनी भयावह थी। लेकिन जरूरी नहीं कि तीसरी लहर की आशंका के बीच सर्वे की खबर अच्छी ही हो।

हां, यह जरूर है कि एक बड़ी आबादी वायरस के हमले को झेल चुकी है। ऐसे में जब तक कि कोई नया वैरिएंट नहीं आता, तब तक इस बात की आशंका नहीं है कि तीसरी लहर दूसरी जैसी होगी। लेकिन फिर भी चिंता की बात तो है। एक तिहाई लोगों को अब भी संक्रमण नहीं हुआ या उन्हें टीका नहीं लगा है। यह संख्या बहुत बड़ी है। इसके साथ देश में अब भी ऐसी परिस्थितियां बन सकती हैं, जिससे नए वैरिएंट्स उभरें।कहा जा रहा है कि भारत में अगस्त से दिसंबर के बीच तीसरी लहर आ सकती है। पिछली दो लहरों को देखते हुए ऐसी बातें करना आकर्षक लग सकता है, लेकिन याद रखना चाहिए कि संक्रामक रोगों पर काम करने के लिए एक विशेषज्ञता की जरूरत होती है। ऐसे लोगों को वायरस, उससे प्रभावित लोगों और जगह के डेटा का बारीकी से विश्लेषण करना होता है। जो लोग ऐसा कर रहे हैं, केवल वही महामारी के विभिन्न पहलुओं और उसे रोकने के उपायों के बारे में बता सकते हैं। देश में कोविड-19 को लेकर जो अधिकतर मॉडल हैं, उनके लिए या तो जानकारी उपलब्ध ही नहीं है या जो जानकारी है, उस तक पहुंच सिर्फ सरकार और चुनिंदा लोगों की है। वायरस और उसके वैरिएंट्स, संक्रमित लोगों, इम्यूनिटी, महामारी के प्रति अतिसंवेदनशीलता और जिस वातावरण में वायरस पनपता है, उसके आधार पर हम एक मोटा अनुमान ही लगा सकते हैं। सटीक तौर पर भविष्यवाणी करने की राह में कई मुश्किलें हैं। आज कोरोना को आए दो साल से अधिक समय गुजर चुका है। चीन के वुहान में मिला मूल वायरस 36143 म्यूटेशन से गुजरा था। इसके बाद फरवरी 2020 से यह पूरी दुनिया में तेजी से फैला। फिर दिसंबर 2020 तक हमने कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा। साल के अंत में अल्फा और बीटा वैरिएंट्स की पहचान हुई। इन वैरिएंट्स ने ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में लोगों को तेजी से बीमार किया। वैरिएंट्स के बीच इतना लंबा गैप क्यों था फिर ऐसा क्यों हुआ कि दिसंबर 2020 के बाद नए वैरिएंट्स इतनी तेजी से आए इंफ्लुएंजा के आधार पर इस बारे में एक थिअरी है। इसके मुताबिक, वायरस के रूप बदलने के लिए जरूरी है कि एक निश्चित अनुपात में आबादी इससे संक्रमित हो। इससे वायरस पर इम्यून प्रेशर पड़ता है। चूंकि आरएनए वायरस हमेशा म्यूटेट होता रहता है, तो जब कुछ लोग संक्रमित होते हैं, तो म्यूटेशन मायने रखता है।

ऐसा वायरस अधिक लोगों को संक्रमित कर सकता है, जो हमारे इम्यून सिस्टम को गच्चा दे सके, उसे अपने रिसेप्टर पर स्पाइक प्रोटीन बांधने से रोक सके। लोगों को बीमार करने के लिए यह वायरस ज्यादा मुफीद होगा। क्या हम इस जानकारी का इस्तेमाल यह अनुमान लगाने में कर सकते ै कि नए वैरिएंट्स किस तेजी से और कहां आएंगे दुर्भाग्य से कोविड के मामले में विज्ञान अभी इतनी तरक्की नहीं कर पाया है, लेकिन हम इतना जरूर जानते हैं कि वायरस जितना अधिक रेप्लिकेट होगा, उसके नए रूप आने की आशंका उतनी ही अधिक होगी। वैरिएंट्स को लेकर यह मुश्किल इस बात से भी बढ़ जाती है कि अलग-अलग टीकों का असर अलग-अलग हो रहा है। कौन-सी वैक्सीन इन्फेक्शन और बीमारी को रोकती है और कौन-सी वैक्सीन मुख्य तौर पर इन्फेक्शन रोकती है, इस बारे में हमारी सीमित जानकारी से भी जटिलता बढ़ती है। डेटा बताते हैं कि एमआरएनए वैक्सीन संक्रमण और बीमारी, दोनों को रोकने में असरदार है। वेक्टर वैक्सीन भी बीमारी को रोकने के लिए अच्छी हैं। हालांकि कुछ वैरिएंट्स के चलते इन्फेक्शन को रोकने में ये वैक्सीन उतनी असरदार नहीं है। इसका मतलब हुआ कि टीका लगवाने वाले लोग भी वायरस फैला सकते हैं, लेकिन जिन लोगों ने टीका नहीं लगवाया है उनसे कम। इनएक्टिव वायरस और प्रोटीन वैक्सीन को लेकर हमारे पास क्लिनिकल ट्रायल के डेटा हैं। इससे पता चलता है कि ये टीके गंभीर बीमारी को रोकने में सक्षम हैं। हालांकि विभिन्न वैरिएंट्स के कारण संक्रमण को रोकने की उनकी क्षमता पर बहुत कम डेटा उपलब्ध है। डेल्टा वैरिएंट जिस आसानी से फैलता है, उससे लगता है कि वायरस को रोकने के लिए हमें और बड़ी आबादी का टीकाकरण करना होगा। चूंकि अभी वैक्सिनेशन जारी है, इसलिए टीकों से बेहतर परिणाम कैसे हासिल कर सकते हैं, इसके लिए नजर रखनी जरूरी है। सभी देश जितनी तेजी से हो सके, वैक्सिनेशन कर रहे हैं। हालांकि मध्यम और कम आय वाले देशों को टीके की कमी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, भारत में प्रतिदिन करीब 40 लाख लोगों को वैक्सीन लग रही है, लेकिन 21 जून को हमने दिखाया था कि हममें इससे दोगुने लोगों के टीकाकरण की क्षमता है।

दुख की बात है कि अभी केवल एक चौथाई भारतीयों को ही वैक्सीन की एक या दो डोज लगी है। टीके से सुरक्षा के मामले में लंबा रास्ता तय करना है हमें। और जहां तक सीरो सर्वे की बात है, तो यह बात पहले ही हो चुकी कि एक बड़ी आबादी अब भी असुरक्षित है। लोगों के स्वास्थ्य के नजरिए से देखें तो यह वायरस और इम्यून सिस्टम के बीच एक रेस है। अगर वैक्सिनेशन 70 फीसदी होने तक हम खुद को मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के जरिए बचा सकें, तो निश्चित तौर पर तीसरी लहर को टाल सकते हैं।

क्वार्टर फाइनल से भारतीय हॉकी टीम ने जापान को 5-3 से दी मात

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुरजंत सिंह के दो गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पूल ए के अपने आखिरी मैच में शुक्रवार को मेजबान जापान को 5-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत दर्ज की। भारत की तरफ से हरमनप्रीत सिंह (13वें), गुरजंत सिंह (17वें और 56वें), शमशेर सिंह (34वें) और नीलकांत शर्मा (51वें मिनट) ने गोल किए। जापान की तरफ से केंता तनाका (19वें), कोता वतानबे (33वें) और काजुमा मुराता (59वें मिनट) ने गोल किए। भारत पहले ही क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर चुका था लेकिन इस जीत से वह बढ़े मनोबल के साथ अंतिम आठ के मुकाबले में उतरेगा। भारत ने पूल चरण में जापान के अलावा न्यूजीलैंड, स्पेन और अर्जेंटीना को हराया लेकिन ऑस्ट्रेलिया से उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस तरह से भारत पूल ए में चार जीत और एक हार के साथ ऑस्ट्रेलिया के बाद दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा। ऑस्ट्रेलिया की टीम चार जीत और एक ड्रॉ से पूल में शीर्ष पर रही। क्वार्टर फाइनल एक अगस्त को खेले जाएंगे। दोनों टीमों ने आक्रामक शुरुआत की और भारतीयों ने जापानी खिलाडि़यों की गति की बराबरी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जापान ने गोल करने का पहला सार्थक प्रयास किया जब 11वें मिनट वे भारतीय सर्कल में घुसे लेकिन यह हमला नाकाम कर दिया गया।

भारतीयों ने पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में हमलावर तेवर अपनाए। मनप्रीत सिंह और गुरजंत सिंह के प्रयासों से भारत ने पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और हरमनप्रीत ने इस पर गोल करके 13वें मिनट में टीम को बढ़त दिला दी। टोक्यो ओलंपिक में इस ड्रैगफ्लिकर का यह चौथा गोल है। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी आक्रामक रवैये के साथ की जिसका उसे तुरंत लाभ भी मिला। सिमरनजीत सिंह और गुरजंत गेंद को लेकर आगे बढ़े। इन दोनों के शानदार तालमेल के सामने जापानी रक्षापंक्ति की एक नहीं चली और गुरजंत ने सिमरनजीत के शॉट को गोल की तरफ मोड़कर स्कोर 2-0 कर दिया। लेकिन जापान चुप बैठने वाला नहीं था। उसने जवाबी हमला किया और भारतीय डिफेंडरों की गलती का फायदा उठाकर उसके स्टार स्ट्राइकर तनाका ने गोल दाग दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने प्रयास किए।

दूसरे क्वार्टर में भारतीय रक्षापंक्ति कुछ ढीली दिखी, विशेषकर जवाबी हमलों में उसमें थोड़ा तालमेल का अभाव दिखा लेकिन सौभाग्य से जापान एक ही गोल कर पाया। आखिरी क्षणों में गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने सुंदर बचाव करके भारत को मध्यांतर तक 2-1 से आगे रखा। भारतीय डिफेंडरों ने तीसरे क्वार्टर के शुरू में जापान को बराबरी का मौका दे दिया। जापान के जवाबी हमले का भारतीयों के पास जवाब नहीं था और वतानबे ने गोल दाग दिया। भारत ने हालांकि जापान को उसी की रणनीति का कड़वा घूंट पिलाया जब जवाबी हमले में शमशेर सिंह ने नीलकांत शर्मा की मदद से गोल दागा। वतानबे ने 38वें मिनट में फिर से बराबरी का गोल करने का प्रयास किया लेकिन उसे भारतीयों ने असफल कर दिया। भारत ने 42वें मिनट मेंपेनल्टी कॉर्नरहासिल किया लेकिन हरमनप्रीत का शॉट जापानी रक्षक की स्टिक से लगकर बाहर चला गया।

श्रीजेश ने 49वें मिनट में बेहतरीन बचाव करके अन्य डिफेंडरों की गलतियों पर पर्दा डाला। इसके बाद हरमनप्रीत ने जापानी सर्किल में मौजूद भारतीय फारवर्ड को गेंद बढ़ाई। नीलकांत और सुरेंदर कुमार ने अच्छा तालमेल दिखाया। नीलकांत गोल करके भारत की बढ़त मजबूत करने में सफल रहे। भारत को 54वें मिनट में तीसरापेनल्टी कॉर्नरमिला, लेकिन हरमनप्रीत का शॉट जापानी डिफेंडरों ने बचा दिया। इसके तुरंत बाद जापान को भी पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन श्रीजेश ने उसे उसका फायदा नहीं उठाने दिया। भारत को 56वें मिनट मेंपेनल्टी कॉर्नर मिला। वरुण कुमार के बेहतरीन पास पर हरमनप्रीत ने शॉट लगाया और गुरजंत ने उसे गोल का रास्ता दिखाया

नोवाक जोकोविच का गोल्डन स्लैम पूरा करने का सपना टूटा, सेमीफाइनल में ज्वेरेव ने हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के शीर्ष रैंकिंग के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का ओलंपिक के मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में शुक्रवार को अलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार कर गोल्डन स्लैम पूरा करने का सपना टूट गया।

सबिऱ्या के इस खिलाड़ी को जर्मनी के ज्वेरेव ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद दो घंटे तीन मिनट तक चले मुकाबले में 1-6, 6-3, 6-1 से हराया। जोकोविचओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर गोल्डन स्लैम पूरा करने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे थे। वह इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन जीत चुके है जबकि यूएस ओपन का आयोजन होना बाकी है।

एक ही साल में चारों ग्रैंड स्लैम के साथ ओलंपिक स्वर्ण जीतने को गोल्डन स्लैम कहते है। स्टेफी ग्राफ (1988) इस उपलब्धि को हासिल करने वाली इकलौती टेनिस खिलाड़ी है। चौथी वरीयता प्राप्त ज्वेरेव स्वर्ण पदक के लिए कारेन खाचानोव का सामना करेंगे। रूस के इस खिलाड़ी ने एक अन्य सेमीफाइनल में स्पेन पाब्लो कार्रेनो बुस्टा को 6-3,6-3 से हराया। जोकोविच कांस्य पदक मुकाबले में बुस्टा से भिड़ेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के भाई ने टोक्यो ओलंपिक में दिखाया दम, जगाई मेडल की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर मिचेल स्टार्क जहां क्रिकेट के मैदान पर अपने प्रदर्शन से ख्याति प्राप्त कर चुके हैं, उनके छोटे भाई भी अब उनसे पीछे नहीं हैं। ब्रेंडन स्टार्क ने हाई जम्प में ऑस्ट्रेलियाई उम्मीदें बढ़ा दी हैं। ब्रेंडन स्टार्क ने 2.8 मीटर की जम्प लगाते हुए ओलंपिक फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। 2010 के यूथ ओलंपिक खेलों में अपना डेब्यू किया और सिल्वर मेडल जीता। वहां उन्होंने 2.19 मीटर की छलांग लगाई थी, यह उनका व्यक्तिगत बेस्ट था। 2014 के कॉमनवेल्थ गेम्स में ब्रेंडन आठवें नंबर पर रहे। 2016 के रियो ओलंपिक के लिए भी उनका चयन हुआ। उन्होंने क्वालिफाइंग राउंड में अच्छा प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन अंत में वे 15वें नंबर पर रहे। 2017 में चोट के कारण वे वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करने से चूक गए थे। लेकिन 2018 के कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने शानदार वापसी की और 2.32 मीटर की छलांग लगाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उसी साल उन्होंने डायमंड लीग का फाइनल भी जीता। 2021 में उन्होंने 2.33 मीटर की छलांग लगाई और अपना चौथा नेशनल हाई जंप खिताब जीता। इसी के साथ ही उन्हें ओलंपिक का टिकट भी मिल गया। टोक्यो में भी उन्होंने शानदार खेल दिखाया और अब मेडल के लिए अपनी दावेदारी ठोंक दी है। ब्रेंडन का फाइनल मैच रविवार को खेला जाएगा। दुनिया भर की नजरें उनपर रहेंगी।

125 सालों के इतिहास में पहली बार पुरुष और महिलाएं एक साथ लेंगी तैराकी में हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक खेलों का अपना एक समृद्ध इतिहास रहा है। विभिन्न खेलों में दुनिया भर के खिलाड़ी इन खेलों में हिस्सा लेते हैं, और दुनिया के सबसे बड़े मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस बार टोक्यो ओलंपिक में एक नए खेल का डेब्यू होने जा रहा है।

कल यानी शनिवार को तैराकी में 4×400 मीटर मिक्स्ड मेडली रिले का पदार्पण हो जाएगा। तैराकी की इस विधा में प्रत्येक देश के 2 पुरुष और 2 महिलाएं बैकस्ट्रोक, ब्रेस्टस्ट्रोक, बटरफ्लाई और फ्रीस्टाइल तैराकी में अपने देश की दावेदारी पेश करेंगे। टीमों को ये तय करना होगा कि प्रत्येक स्ट्रोक में कौन तैरता है, इसलिए एक टीम की एक महिला और दूसरे से एक पुरुष एक ही समय में बटरफ्लाई कर सकते हैं। फिना, जो कि तैराकी की विश्वस्तरीय गवर्निंग बॉडी है, उसने 2015 के वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मिक्स्ड रिले को जोड़ा था। रूस के कजान शहर में हुए इस चैंपियनशिप में फ्रीस्टाइल रिले का भी डेब्यू हुआ। हालांकि इस बात पर कोई प्रतिबंध नहीं है कि कोई पुरुष या महिला किस स्ट्रोक में तैरती है, कुछ सामान्य रणनीतियां हैं, जिनका पालन मिश्रित रिले के लिए टीमें उच्चतम स्तर पर करती हैं। अधिकांश टीमों ने एक महिला को अंतिम फ्रीस्टाइल लेग पर रखा क्योंकि महिलाओं और पुरुषों के बीच समय का अन्तर आम तौर पर अन्य तीन की तुलना में उस स्ट्रोक पर कम होता है। सभी 16 टीमों ने ओलंपिक खेलों की शुरुआत में महिला के साथ शुरुआत की। इसी तरह एल आदमी आम तौर पर ब्रेस्टस्ट्रोक तैरता है, जहां सबसे तेज पुरुषों और महिलाओं के समय के बीच एक बड़ा अन्तर होता है। टोक्यो में स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए लगभग 7½ सेकंड है। शुरुआत में एक टीम को छोड़कर सभी तीसरे चरण में एक पुरुष के साथ गए। प्रिलिमिनरी राउन्ड में, 16 में से 10 टीमों ने बैकस्ट्रोक पर एक पुरुष का इस्तेमाल किया, जबकि बटरफ्लाई लेग में नौ महिलाएं और सात पुरुष थे।

क्वालिफाइंग राउंड में ब्रिटेन ने एडम पिटी की शानदार ब्रेस्टस्ट्रोक की मदद से रिकॉर्ड बनाकर पहला स्थान प्राप्त किया। यूएसए दूसरे स्थान पर रहा, उसके बाद शनिवार को खेले जाने वाले फाइनल के लिए चीन और ऑस्ट्रेलिया का स्थान रहा। ब्रिटेन के एडम कहते हैं, 'हमारे ऊपर कोई दबाव नहीं है, अगर चाइना इसे लेना चाहते तो ले जा सकते हैं, अगर अमेरिका चाहे वे भी ले जा सकते हैं।' कोच चार स्ट्रोक में तैराकों के सबसे तेज संयोजन की तलाश में हैं। एक टीम जो दो लोगों के साथ आगे बढ़ती है वह बड़ी बढ़त बना सकती है यदि अन्य एक अलग लाइनअप के साथ जाते हैं। चीजें इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि अक्सर ये कहना मुश्किल हो जाता है कि आगे कौन है। एडम के अनुसार खेलों का आधुनिकीकरण होना चाहिए और तैराकी का महत्व बढ़ना चाहिए। इससे पहले कई जगहों पर तैराकी के मिक्स्ड इवेंट के ओलंपिक में पदार्पण होने की बात को लेकर इसकी काफी आलोचना हुई थी।

पीवी सिंधु सेमीफाइनल में पहुंचीं, लवलीना ने मेडल किया पक्का, मेंस हॉकी टीम जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक के आठवा दिन भारत के लिए बेहतर रहा। शुक्रवार को भारत ने अपनी झोली में एक और पदक डाल लिया है। मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने महिलाओं की 69 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की निएन चिन चेन को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और इस ओलंपिक में देश के लिए दूसरा पदक पक्का किया। इससे पहले भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने टोक्यो ओलंपिक में भारत को पहला मेडल दिलाया था।बैडमिंटन में भारतीय महिला खिलाड़ी पीवी सिंधु ?सेमीफाइनल में पहुंच गई है। वो अब मेडल से एक कदम दूर है। क्वार्टर फाइनल से पहले भारतीय मेंस हॉकी टीम ने पूल ए के मैच में जापान को 5-3 से हराया। तीरंदाजी में दीपिका कुमार का पदक जीतने का सपना लगातार तीसरी बार टूट गया है। निशानेबाजी में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन रैपिड स्पर्धा में राही सरनोबत और मनु भाकर ने एक बा?र फिर निराश किया। मुक्केबाज सिमरनजीत कौर महिलाओं अंतिम 16 में अपना मुकाबला हार गईं। हॉकी में भारत की महिला टीम ने आयरलैंड को हरा दिया। महिला एथलीट दुती चंद सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूकीं।

एमसी मैरीकॉम का आरोप

आयोजकों ने गेम से पहले ड्रेस बदलने किया मजबूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक में कुछ भारतीय मुक्केबाजों की पोशाक पर उनका नाम और देश का नाम नहीं होने पर विवाद हुआ। दिग्गज बॉक्सर एमसी मैरी कॉम ने भी आरोप लगाया था कि आयोजकों से उचित स्पष्टीकरण के बिना उनके अंतिम -16 मुकाबले से कुछ मिनट पहले पोशाक बदलने पर मजबूर कर दिया था। मैरीकॉम गुरुवार को और फिर लवलीना बोरगोहेन शुक्रवार को जब रिंग में उतरीं तो उनकी पोशाक के पीछे ना तो उनका नाम था ना ही देश का नाम। प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में अपने मुकाबले को 2-3 से गंवाने के बाद मैरीकॉम ने पीटीआई-भाषा से कहा था , ' यह थोड़ा परेशान करने वाला था कि उन्होंने मुझे बाउट से ठीक पांच मिनट पहले ड्रेस बदलने के लिए कहा। उस समय दरअसल, मेरे नाम की घोषणा हो चुकी थी। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि मुझे परेशान करने के लिए यह जानबूझकर की गई कार्रवाई थी। मैंने पहले राउंड के मैच को इसी तरह के कपड़े में जीत दर्ज की थी। वहां भी मेरा नाम मैरीकॉम

और भारत लिखा था। ' भारतीय मुक्केबाजी के हाई परफार्मेंस निदेशक सैंटियागो नीएवा के साथ बातचीत और इंटरनेशनल ओलंपिक समिति के नियमों को देखने के बाद इस विवाद की जड़ के बारे में पता चला। नीएवा ने कहा, ' मुक्केबाजों को अपने उपनाम या दिए गए नाम को पोशाक पर इस्तेमाल करने की अनुमति है। ऐसे में अगर उसके पीठ पर कॉम होता, तो कोई समस्या नहीं होती या सिर्फ मांगटे भी ठीक था।'

उन्होंने कहा, 'उसे मैरीकॉम लिखे कपड़े को पहनने की इजाजत नहीं थी। लवलीना के साथ भी ऐसा ही हुआ। उसके कपड़े पर भी पूरे नाम की जगह बोरगोहेन होना चाहिए था। इसमें कोई बड़ी समस्या नहीं है। हमने लवलीना के लिए नयी ड्रेस मंगाई है। वह सेमीफाइनल में उसे ही पहनेगी।

मैरीकॉम की शिकायत यह थी कि उन्हें बिना कारण बताए ही मुकाबले से ठीक पहले कपड़े को बदलने पर मजबूर किया गया। नीएवा ने कहा कि यह टीम के तौर पर यह बड़ा मुद्दा नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'देखिए, जब तक आपको रिंग में उतरने से रोका नहीं जा रहा है तब तक कोई समस्या नहीं है। ड्रेस को लेकर पर आईओसी के नियम कहते हैं कि 'एथलीट का नाम (पारिवारिक नाम) ड्रेस के पीछे (पीठ पर) लिखा जा सकता है और राष्ट्रीय ध्वज या राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रतीक को 'बनियान, शॉट्र्स और स्कर्ट पर तय जगह पर इस्तेमाल की अनुमति है।

पंजाब सरकार का ऐलान, भारतीय हॉकी टीम के गोल्ड मेडल जीतने पर खिलाड़ियों को मिलेंगे 2.25 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब के खेल मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी ने शुक्रवार को घोषणा की कि टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा ले रहे राज्य के हॉकी खिलाडि़यों को गोल्ड मेडल जीतने की स्थिति में 2.25 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इससे पहले घोषणा की गयी थी अगर टीम गोल्ड मेडल जीतती है तो टीम को 2.25 करोड़ दिये जायेंगे।

सोढ़ी ने आधिकारिक बयान में कहा कि पंजाब के कुल 20 खिलाडि़यों में से 11 खिलाड़ी भारतीय हॉकी टीम के लिये टोक्यो ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं। पुरुष टीम ने पांच में से चार लीग मैच जीतकर टोक्यो में क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर पदक जीतने की उम्मीद जगा दी है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एकमात्र मैच ऑस्ट्रेलिया से हारी।

इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से अनिश्चितकाल तक लिया ब्रेक, भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से अनिश्चितकाल तक लिया ब्रेक ले लिया है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इसकी पुष्टि कर दी है। वो भारत के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज से भी बाहर हो गए हैं। उन्होंने अपने मानसिक स्थिति में सुधार को प्राथमिकता देने और अपनी बाएं हाथ की तर्जनी उंगली (इंडेक्स फिंगर) को आराम देने के लिए ये फैसला लिया है।

इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान स्टोक्स की इस ऊंगली फ्रैक्चर हो गयी थी जिसका बाद में ऑपरेशन हुआ था। उनकी चोट अभी पूरी तरह से सही नहीं हुई है। ईसीबी ने स्टेटमेंट जारी कर कहा कि वो स्टोक्स के फैसले का पूरा समर्थन करता है, और हम खेल से दूर रहने की अवधि के दौरान उसकी मदद करना जारी रखेंगे। इंग्लैंड म ो ं स ा क्रिकेट के प्रबंध निदेशक एशले जाइल्स ने कहा,'बेन = ा ` अपनी

भावनाओं और भलाई के बारे में खुलकर बात करने का जबरदस्त साहस दिखाया है। हमारा प्राथमिक ध्यान हमेशा हमारे सभी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि कम स्वतंत्रता के साथ परिवार से दूर समय बिताना बेहद चुनौतीपूर्ण है। पिछले 16 महीनों में इन वातावरणों में लगभग सभी पर असर डाला है। बेन को तब तक रेस्ट दिया जाएगा जब तक उनको इसकी जरूरत होगी और हम भविष्य में में उन्हें इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। स्टोक्स की जगह समरसेट के क्रेग ओवरटन को टीम में शामिल किया जाएगा। हम अनुरोध करते हैं कि इस दौरान बेन और उनके परिवार को प्राइवेसी का सम्मान किया जाए।

ग्राम प्रधान ने प्राथमिक विद्यालय पर ग्रामीणों को वितरण किया फलदार पौधा

अखंड भारत संदेश

रत्योरा (प्रयागराज)विकास खण्ड कोरांव के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय रत्योरा करपिया में ग्राम प्रधान के द्वारा शुक्रवार को सुबह ग्रामीणों को फलदार पौधा वितरण किया। और पर्यावरण को सफल बनाने व मानव जीवन को खतरे से बचाने के लिए प्राथमिक विद्यालय के साथ साथ तालाब के भीटा पर भी फलदार पौधरोपण कराया ।सरकार के आदेश पर कोरांव क्षेत्र में ग्राम प्रधान के द्वारा गाँवो में फलदार पौधरोपण कराया जा रहा है। पौधरोपण के लिए तालाब मैदान खलियान व खेत में मेड़ो पर गड्ढ खोदवाकर पौधे लगाकर जीवन बचाने के लिए संकल्प लिया जा रहा है।सरकार के निर्देश पर माह जुलाई में पूरे प्रदेश में पर्यावरण हित में पौधरोपण की तैयारी जोरों पर चल रही हैं।और जिम्मेदारों द्वारा पौधे लगवाएं जा रहे हैं। कोरांव ब्लाक के इलाकों में भी पौधरोपण के लिए ग्राम प्रधान के द्वारा गड्ढ खोदवाकर फलदार पौधा आम अमरूद नीबू के पौधे लगवाये जा रहे।प्रधान शशिकांत ने कहा कि मानव जीवन को खतरे से बचाने के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी हैऔर फलदार पौधे लगाने से तैयार होने पर फल खाने के काम आएगा और लोगों को पर्यावरण भी मिलेगा। इससे सार्वजनिक खाली जमीनों पर पौधरोपण के लिए श्रमिकों से मनरेगा योजना के माध्यम से गड्ढ खोदवाकर बृक्षारोपण कराया जा रहा है।शशिकांत ने ग्रामीणों से भी अपील किया कि सभी लोग फलदार पौधा लगाने का कार्य करे जिसे पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पौधरोपण बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पचीस जोडो ने एक दूसरे का थामा दामन

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा । मऊआइमा विकास खंड परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पचीस जोडों ने एक दूसरे का दामन थाम लिया । जिसमें 23 जोडों का विवाह हिन्दू रीति रिवाज के साथ समपनन कराया गया । और दो मुस्लिम समाज जोडों का निकाह पढाया गया ।

मऊआइमा विकास खंड परिसर में शुक्रवार को 25 जोडों का विवाह सम्पनन कराया गया । जिसमें दो मुस्लिम समाज के जोडों का निकाह पढाया गया । इस अवसर पर कन्या के खाते में 35 हजार भेजा गया और दस गृहस्थी के सामान भी प्रदान किए गए ।शुक्रवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत मऊआइमा विकास खंड परिसर में काफी भीड रही । मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख अफसरुन निशां पतनि मोहम्मद इम्तियाज ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोरांव विधायक जमुना प्रसाद ,विशिष्ट अतिथि एम एल सी सुरेन्द्र चौधरी रहे ,कार्यक्रम का संचालन एडीओ सुनील कुमार सिंह ने किया । आए हुए अगन्तुकों का आभार विकास खंड अधिकारी अस्मिता सेन ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से समाज कल्याण अधिकारी अजय कुमार निर्मल के अलावा अनवर हुसैन ,कन्हैयालाल ,और विकास खंड के समस्त स्टाप एंव ग्राम प्रधान और बीडीसी आदि भी मौजूद रहे।

केंद्र सरकार की राज्यों और ळऊे से अपील, कहा- वंचितों, भिखारियों के लिए विशेष टीकाकरण सत्र का करें आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आग्रह किया है कि वंचितों, भिखारियों और खानाबदोशों के लिए विशेष टीकाकरण सत्र का आयोजन करें जिनके पास खुद से पंजीकरण कराने की व्यवस्था व टीकाकरण के लिए संसाधन नहीं हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि राज्य सरकार इस प्रयास में गैर सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों और स्वयंसेवियों का सहयोग ले सकती हैं। भूषण ने कहा कि अभी तक 45 करोड़ से अधिक टीके की खुराक लगाई जा चुकी है। उन्होंने 29 जुलाई को लिखे पत्र में कहा कि टीकाकरण जनकेंद्रित अभियान है और इसे सभी पात्र समूहों तक उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति से परे होकर पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

पत्र में कहा गया है कि संक्रमण के सर्वाधिक खतरे वाले समूहों में कोविड-19 टीकाकरण का ध्यान रखने की जरूरत है ताकि सभी को समान रूप से टीका मिल सके। पत्र में कहा गया है, "वंचितों एवं खानाबदोशों को टीका मुहैया कराए जाने की जरूरत है जिनके पास खुद से पंजीकरण कराने की सुविधा नहीं है और जिनके पास टीकाकरण के लिए संसाधन नहीं हैं। इस समूह कोकवर करने के लिए राज्य और केंद्र शासित प्रदेश लक्षित रुख अपना सकते हैं।

खालिस्तानी समर्थकों की मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को धमकी

15 अगस्त के दिन नहीं फहराने देंगे तिरंगा

शिमला (एजेंसी)। पंजाब के अलगाववादी संगठन, सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के तार कनाडा से जुड़े हैं, की ओर से ही आज राजधानी के कुछ पत्रकारों को मोबाइल पर आडियो संदेश के माध्यम से धमकी दी गई है कि उनका संगठन हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को 15 अगस्त के दिन तिरंगा नहीं फहराने देगा। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह संदेश सिख फॉर जस्टिस संगठन की ओर से विदेश से भेजा गया है। इसे एक रिकॉर्डेड फोन कॉल के जरिए शिमला के कई पत्रकारों को शुक्रवार को सुबह 10:30 बजे से दोपहर के 12:30 बजे के बीच भेजा गया है। कॉल करने वाले व्यक्ति ने अपना परिचय गुरपतवंत सिंह पनुन्न के तौर पर कराया है और खुद को सिख्स फॉर

जस्टिस नाम के संगठन का जनरल काउंसल बताया है।

इस संदेश के वायरल होते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई व मुख्यमंत्री की सुरक्षा को भी मजबूत करने का फैसला लिया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर अभी शिमला से बाहर हैं लेकिन यहां पुलिस के तमाम अधिकारी राज्य सचिवालय से लेकर मुख्यमंत्री आवास तक सुरक्षा को मजबूत करने की कसरत करते देखे गये। गौरतलब है कि राज्य विधानसभा का मानसून सत्र दो अगस्त से शुरू होने वाला है और इसके अलावा स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां भी जोरों पर है। प्रदेश के कुछ पत्रकारों के मोबाइल पर यह ऑडियो भेजा गया है। इस रिकॉर्डिंग ओडियो में राज्य के पत्रकारों को भी फोन कर उन्हें 15 अगस्त जैसे समारोह की कवरेज न करने की चेतावनी जारी की गई है। रिकॉर्ड की गई कॉल में कहा गया है कि हिमाचल पंजाब का हिस्सा था। पंजाब में जनमत संग्रह करवाया जाएगा और हिमाचल को फिर से पंजाब में शामिल किया जाएगा। खालिस्तान समर्थकों ने अपील की है कि किसान ट्रैक्टर लेकर सड़कों पर उतरें और मुख्यमंत्री जयराम को 15 अगस्त के दिन तिरंगा न फहराने दें। इस बीच हिमाचल प्रदेश पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि खालिस्तान समर्थकों की ओर से रिकॉर्ड की गई कॉल प्रदेश के कुछ पत्रकारों को मोबाइल पर भेजी गई है। उन्होंने कहा कि हिमाचल पुलिस प्रदेश की सुरक्षा और देश विरोधी ताकतों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। इस संबंध में केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों को भी सूचित कर दिया गया है।

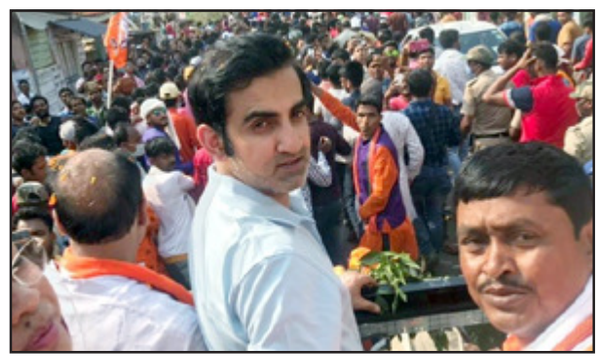

गौतम गंभीर ने डीडीए से यमुना खेल परिसर का नाम बदल भगत सिंह के नाम पर रखने का किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) से यमुना खेल परिसर का नाम बदलकर इसे स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के नाम पर रखने का आग्रह करते हुए कहा कि महान क्रांतिकारी को सम्मान देने की दिशा में यह एक छोटा कदम होगा। डीडीए के उपाध्यक्ष को लिखे पत्र में भाजपा सांसद ने नगरीय निकाय से परिसर के मुख्य द्वार पर क्रांतिकारी की विशाल प्रतिमा स्थापित करने की भी अपील की। पूर्वी दिल्ली में स्थित विशाल यमुना खेल परिसर राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख खेल स्थलों में से एक है। सांसद ने यह अपील भारत की आजादी की 75वीं वर्षगाँठ से पहले की है, जिसे केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने पर मनाने की योजना बनाई है।

पत्र में कहा गया है, भारत जब भी स्वतंत्रता पर गर्व महसूस करेगा, वह हमेशा उन महापुरुषों के बलिदान के प्रति नतमस्तक रहेगा, जिन्होंने स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। अविभाजित पंजाब में जन्मे सिंह को 1931 में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने फाँसी दे दी थी। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि देने के लिए 23 मार्च को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इन क्रांतिकारियों को ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जे पी सॉन्डर्स की हत्या के लिए फांसी दी गई थी।

आज दिल्ली में जदयू की अहम बैठक, बड़ा फैसला ले सकते हैं नीतीश कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा का मानसून सत्र चल रहा है। इन सबके बीच बिहार की राजनीति भी गर्म है। बिहार में जदयू और राजद जातीय जनगणना को लेकर एक साथ है। इन सबके बीच जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में होनी है। शनिवार को शाम 4:00 बजे जंतर मंतर के पास जदयू कार्यालय में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होगी। बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा पार्टी अध्यक्ष आरसीपी सिंह, उपेंद्र कुशवाहा, ललन सिंह के अलावा कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। माना जा रहा है कि मोदी सरकार में आरसीपी सिंह के शामिल हो जाने के बाद पार्टी नया अध्यक्ष चुन सकते हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के मुद्दे पर वहां चर्चा होगी ऐसा कोई एजेंडा नहीं है। कई राज्यों में चुनाव है और पार्टी में सदस्यता के माध्यम से पार्टी को विस्तार देना है। राष्ट्रीय

अध्यक्ष अभी आर.सी.पी. सिंह ही हैः जदयू नेता उपेंद्र कुशवाहा, कल होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पर

इन सबके बीच खबर यह भी है कि सदस्यता अभियान के लिए भी रूपरेखा पर चर्चा की जा सकती है। साथ ही साथ संगठन से मुद्दे भी उठाए जा सकते हैं। खबर यह भी है कि नीतीश कुमार यहां से कार्यकर्ताओं को बढ़ा संदेश दे सकते हैं। साथ ही साथ कोई बड़ा ऐलान कर सकते है। सबकी निगाहें इस बात पर टिकी है कि जदयू का नया अध्यक्ष कौन हो सकता है। हाल में ही आरसीपी सिंह ने कहा था कि पार्टी जब भी कहेगी वह अध्यक्ष पद छोड़ने के लिए तैयार है। हालांकि आरसीपी सिंह ने यह भी कहा था कि उन्हें मंत्री रहते हुए पार्टी के दायित्वों का निर्वहन करने में कोई दिक्कत नहीं है और वह इससे पीछे नहीं हटेंगे।

लेकिन सियासी गलियारों से जो खबर छनकर आ रही है उसके अनुसार इस बात की गारंटी मानी जा रही है कि जदयू नए अध्यक्ष का चयन कर सकता है। अध्यक्ष को लेकर 2 नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है। पहला नाम है उपेंद्र कुशवाहा जबकि दूसरा नाम है मुंगेर से सांसद और नीतीश कुमार के करीबी ललन सिंह का। इसी सवाल के जवाब में दिल्ली में उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के मुद्दे पर वहां चर्चा होगी ऐसा कोई एजेंडा नहीं है।

झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार ने दी बड़ी राहत, 9वीं के ऊपर के स्कूल-कॉलेज खुलेंगे, इंटर स्टेट बसें भी चलेंगी

रांची (एजेंसी)। झारखंड में चार महीने से चल रहा स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह अब नई राहतों के साथ शुरू होगा। शुक्रवार को रांची में मुख्यंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक हुई। इसमें राज्य में कोरोना की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके बाद पहले से जारी कई पाबंदियों में शनिवार से छूट देने का निणय लिया गया है। सरकार ने स्कूल-कॉलेज खोलने, इंटर स्टेट बसों का परिचालन शुरू करने समेत कई महत्वपूर्ण फैसले लिये है। राज्य में 9वीं से 12वीं की क्लास शुरू हो सकेगी। हालांकि स्कूल आने के लिए छात्रों को अभिभावकों की इजाजत जरूरी होगी। इसके साथ ही यूजी और पीजी के कॉलेज भी खुलेंगे। ऑफलाइन के साथ ऑनलाइन क्लास भी होती रहेगी। चार घंटे से ज्यादा ऑफलाइन क्लास नहीं होगी। कोचिंग भी खुल सकेंगे लेकिन केवल 18 वर्ष के ऊपर के ही छात्र आ सकेंगे।

वीकेंड लॉकडाउन में बदलाव

शनिवार को खुलेंगे बाजार, सोमवार को बंदी, व्यापारियों की मांग पर फैसला

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी के सभी जिलों में वीकेंड पर शनिवार और रविवार को पूरी तरह से लॉकडाउन रहता है। इस दौरान आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी तरह की दुकानें बंद रहती है। यहां तक कि किराना और दूध आदि की दुकानों को भी बंद रखा जाता है। अब केवल वाराणसी में इस लॉकडाउन में बदलाव कर दिया गया है। वाराणसी में अन्य दिनों की तरह शनिवार को भी बाजार खुले रहेंगे। शनिवार की जगह सोमवार को बंदी रहेगी। यानी शनिवार-रविवार की जगह अब रविवार-सोमवार को बंदी होगी। हालांकि यह बदलाव केवल सावन के महीने के लिए किया गया है।

वाराणसी के व्यापारियों की मांग पर जिला प्रशासन ने यह फैसला किया है। व्यापारियों का मानना है कि शनिवार-रविवार बंदी के बाद सावन के सोमवार के कारण कई तरह की पाबंदियां रहती हैं। इससे बाहर के कारोबारी वाराणसी

नहीं आते है। सोमवार को बाजार और दुकानें खोलने के बाद भी व्यापारियों को पूरे दिन खाली ही बैठे रहना पड़ता है। इसके साथ ही यातायात पर भी कई तरह की पाबंदियां रहती है।यूपीः चोर ने खुद के शादी समारोह में कर दी ऐसी हरकत, दूल्हा बनने से पहले ही हो गया गिरफ्तार चोर ने खुद के शादी समारोह में कर दी ऐसी हरकत, हो गया गिरफ्तार महिला पुलिसकर्मियों के लिए सीएम योगी का नया आदेश, थाने में बीट अधिकारी के लिए बदलेगा सिस्टम महिला पुलिसकर्मियों के लिए सीएम योगी का नया आदेश, जानें क्या होगा खास पति से शादीशुदा प्रेमिका को छीन ले गया युवक, सबके सामने बाइक पर बैठाकर भागा पति से शादीशुदा प्रेमिका को छीन ले गया युवक, बाइक पर बैठाकर भागा देश को बांटने की विचारधारा वालों को जनता सबक सिखाएगी।

तालिबान के निशाने पर संयुक्त राष्ट्र, अफगानिस्तान में यूएन की इमारत पर हमला

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में चल रही लड़ाई में अब संयुक्त राष्ट्र संघ को भी निशाना बनाया जाने लगा है। शुक्रवार को पश्चिमी अफगान प्रांत हेरात में स्थित यूएन की मुख्य इमारत पर सरकार विरोधी तत्वों ने हमला कर दिया। हमले में वहां तैनात एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई। अफगानिस्तान स्थित यूनाइटेड असिस्टेंस मिशन ने इस बात की जानकारी दी। यह हमला रॉकेट और ग्रेनेड से किया गया। इसके अलावा गोलियां भी बरसाई गईं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक यह हमला उस वक्त हुआ जब तालिबान लड़ाके हेरात शहर के अंदर तक घुस आए। यहां संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रांतीय मुख्यालय के पास उनका अफगान सुरक्षा बलों से जोरदार मुठभेड़ हुई थी। हमले के बाद जारी बयान में यूनाइटेड नेशंस ने कहा कि वह जल्द से जल्द इस बात का पता लगाएगी कि वास्तव में यह हमला किसने किया है। यह जानकारी जुटाने के लिए वह तमाम पक्षों से संपर्क कर रहा है। तात्कालिक रूप से यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि संयुक्त राष्ट्र की इस इमारत पर किसने हमला किया। हालांकि एक पश्चिमी सुरक्षा अधिकारी ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि इस घटना के बाद वहां सभी राजनयिक भवनों को अलर्ट पर रखा गया है। वहीं संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि भवन के प्रवेश द्वार की तरफ हमला किया गया। वहां यह स्पष्ट दर्शाया गया था कि यह संपत्ति संयुक्त राष्ट्र की है। हम इस हमले को संयुक्त राष्ट्र पर हमला मानते हैं और इसकी निंदा करते हैं। अफगानिस्तान में विशेष प्रतिनिधि के तौर पर तैनात संयुक्त राष्ट्र के जनरल सेक्रेट्री डेबोरेह लियॉन्स ने यह बात कही।

गौरतलब है कि हेरात अफगानिस्तान का दूसरा ऐसा प्रांत है जहां पिछले 24 घंटे के अंदर तालिबान लड़ाके पहुंच चुके हैं। एक दिन पहले इन लड़ाकों ने हेलमंद के दक्षिणी प्रांत में प्रवेश किया था। वहां पर आम जनता शहर छोड़कर भाग चुकी है और लड़ाई जारी है। एक सरकारी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि गुरुवार सुबह से तालिबान लश्करगाह शहर पर कई दिशाओं से हमला बोल चुका है। लश्करगाह हेलमंद प्रांत की राजधानी है। यह पाकिस्तान की सीमा से लगा दक्षिणी प्रांत है। अमेरिकी सेनाओं के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद से यहां पर स्थिति काफी कठिन हो गई है।

महिला पुलिसकर्मियों के लिए सीएम योगी का नया आदेश

थाने में बीट अधिकारी के लिए बदलेगा सिस्टम

लखनऊ (एजेंसी)। महिला पुलिसकर्मियों के लिए अच्छी खबर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि पुरुष आरक्षियों की तरह ही हर थाने में महिला पुलिसकर्मियों को भी बीट की जिम्मेदारी दी जाए।

शुक्रवार को ठमिशन शक्तिठ के नए चरण के शुरुआत की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि महिला सम्बन्धी अपराधों में न्यायिक प्रक्रिया चलने में अनेक वर्ष लगते हैं।पीडि.ताएं, महिला आरक्षी एवं महिला उप-निरीक्षक के साथ एक अनुकूल वातावरण में खुलकर बात कर सकती है। बेहतर हो कि जिले में महिला पुलिस

आरक्षियों तथा महिला उपनिरीक्षक की संख्या के अनुरूप 02 से 03 बीटों पर दो-दो महिलाकर्मी बीट पुलिस अधिकारी नियुक्त किए जाएं, जोकि गाँवों में जाकर महिलाओं से संवाद स्थापित करें। किसी भी हिंसा के मामले में अथवा अपराध होने की स्थिति में तत्काल थाने को सूचना देकर अपेक्षित कार्यवाही करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा हर थाने में न्यूनतम एक-एक महिला उपनिरीक्षक भी नियुक्त करने की भी जरूरत बताई। सीएम ने कहा कि चरणबद्ध रूप से इसकी शुरुआत प्रदेश के चारों पुलिस कमिश्नरेट के थानों से की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने गृह विभाग को इस विषय के विभिनन पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने को कहा है। मुख्यमंत्री आवास पर हुई ठमिशन शक्तिठ आयोजन की तैयारी समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने गृह, महिला एवं बाल विकास, ग्राम विकास एवं पंचायती राज, चिकित्सा स्वास्थ्य, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा सहित एक दर्जन विभागों के साथ मिशन शक्ति के संबंध में उनकी कायच्योजना का अवलोकन किया।

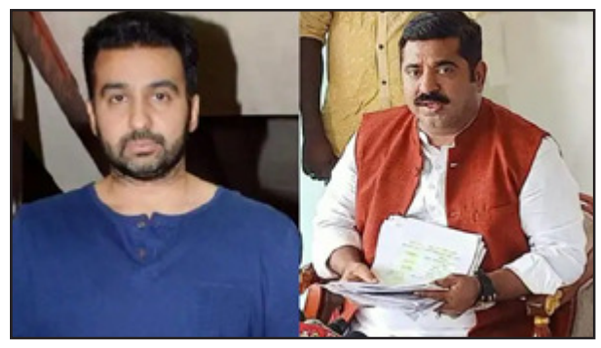

राज कुंद्रा ने ऑनलाइन गेम 'गुड' से की 3000 करोड़ की ठगी, शिल्पा के चेहरे का इस्तेमाल : बीजेपी नेता का बड़ा आरोप

मुंबई (एजेंसी)। पोनीग्राफी केस में गिरफ्तार कारोबारी राज कुंद्रा पर एक और गंभीर आरोप लगता है। महाराष्ट्र के बीजेपी नेता राम कदम ने दावा किया है कि राज कुंद्रा ने ऑनलाइन गेमिंग के जरिए 3000 करोड़ रुपए की ठगी की है। उन्होंने कुछ कागजात दिखाते हुए कुंद्रा के खिलाफ सबूत होने का दावा किया। राम कदम ने कहा कि राज कुंद्रा ने वियान इंडस्ट्रीज ने 'उध्ध' (गेम ऑफ डॉट्स) नाम से गेम लॉन्च किया था और इसके जरिए युवाओं से ठगी की गई। बीजेपी नेता ने यह भी कहा कि राज कुंद्रा ने इस गेम के प्रचार के लिए अपनी पतने और बॉलिवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की तस्वीरो का इस्तेमाल किया।

राम कदम ने कहा कि राज कुंद्रा की कंपनी वियान इंडस्ट्रीज ने गेम को लेकर दावा किया था कि यह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक है और सभी लीगल प्रक्रियाओं का पालन किया गया है। खेल में इनाम की राशि देने के नाम पर ठगी की गई। राम कदम ने कहा कि इसके जरिए 2500 से 3000 करोड़ रुपए का घोटाला किया गया है। उन्होंने कहा कि गेम के डिस्ट्रीब्यूशन को लेकर लोगों से 15-20 लाख रुपए लिए गए। बाद में उन्हें ठगी का अहसास हुआ और पैसे मांगने राज के ऑफिस में गए तो उन्हे मारपीट की गई। राम कदम ने दावा किया कि स्थानीय पुलिस की मदद से लोगों को चुप कराया गया।

वैक्सीन लगवा चुके लोगों को भी चपेट में ले रहा डेल्टा वैरिएंट, बना रहा घातक बीमारी का शिकार, अमेरिकी रिपोर्ट में दावा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कोरोना वायरस का डेल्टा वैरिएंट काफी घातक साबित हो रहा है। इस वैरिएंट की चपेट में आने वाले लोग ज्यादा घातक बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, यह चिकनपॉक्स की तरह आसानी से फैल सकता है।

अमेरिकी हेल्थ अथॉरिटी के आंतरिक कागजातों के हवाले से वहां की मीडिया ने यह खबर प्रकाशित की है। सेंटर फॉर डीजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की इस अप्रकाशित रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि वैक्सीन दोनों डोज ले चुके लोगों से भी डेल्टा वैरिएंट का संक्रमण फैल सकता है। चौंकाने वाली बात यह है कि उनसे उतनी ही तेजी से संक्रमण फैलेगा, जितनी तेजी से बिना वैक्सीन लगवाए लोगों से फैल रहा है। गौरतलब है कि सीडीसी के निदेशक डॉक्टर रॉशेल पी वालेंस्की

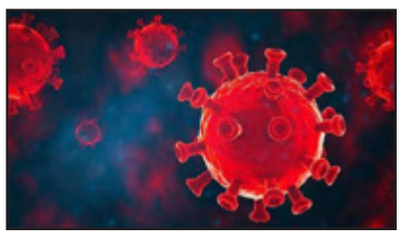

मंगलवार को पहले ही डेल्टा वैरिएंट के खतरों से आगाह कर चुकी है। उन्होंने कहा कि वैक्सीन लगवा चुके लोग भी डेल्टा वैरिएंट की चपेट में आ रहे हैं। इनके नाक और गले में संक्रमण की मात्रा उतनी ही रहती है, जितनी बिना वैक्सीन लगवाए लोगों में। उधर आंतरिक कागजातों में डेल्टा वैरिएंट को लेकर और ज्यादा चिंताएं जताई गई हैं। इसके मुताबिक डेल्टा वैरिएंट ज्यादा तेजी से संक्रमण फैलाने वाला तो है ही, वहीं इसे मर्स, सार्स, इबोला, जुकाम, सीजनल फ्लू और स्मॉलपॉक्स तक हो सकते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, इससे चिकनपॉक्स तक हो सकता है। वॉशिंगटन टाइम्स और न्यूयॉर्क टाइम्स ने इन डॉक्यूमेंट्स के हवाले से खबर प्रकाशित की है। सीडीसी के आंतरिक कागजातों में जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है, वह किसी बड़े खतरे की तरफ इशारा करता है। इसमें सीडीसी के वैज्ञानिकों को अमेरिका में डेल्टा के संक्रमण से होने वाले खतरे को लेकर आगाह किया गया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक अधिकारी से बातचीत की है, जो इस रिसर्च के बारे में विस्तार से बता रहे हैं। अधिकारी के मुताबिक सीडीसी डेल्टा वैरिएंट को लेकर जारी इस रिपोर्ट पर बहुत चिंतित है। इस पर अभी से जरूरी कदम उठाए जाने की जरूरत है।फिलहाल 162 मिलियन वैक्सीनेटेड अमेरिकियों में हर हफ्ते 35000 लोग संक्रमण के लक्षणों वाले मिल रहे है।

पाकिस्तान में भारी बारिश से राज कपूर और दिलीप कुमार के पुश्तैनी मकानों को नुकसान

पेशावर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पेशावर शहर में स्थित महान भारतीय फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार और राज कपूर के पुश्तैनी मकानों को मॉनसून की भारी बारिश से नुकसान पहुंचा है। पहले से ही जीर्णशीर्ण स्थिति वाले इन मकानों को पाकिस्तान सरकार ने हाल में अपने संरक्षण में ले लिया था। सरकार ने दोनों दिग्गज कलाकारों के यहां स्थित मकानों को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने के साथ-साथ उनके सम्मान में उन्हें संग्रहालयों में तब्दील करने की सभी औपचारिकताएं भी पूरी कर ली थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक भारी बारिश के कारण दोनों ही मकान पूरी तरह से जलमगन हो गए, जिसके कारण उनके कुछ हिस्सों को नुकसान पहूंचा है। खैबर पख्तूनख्वा पुरातत्व विभाग को किस्सा ख्वानी बाजार क्षेत्र में स्थित इन दोनों मकानों के नवीनीकरण का काम शुरू करना अभी बाकी है। मानसून की मूसलाधार बारिश के कारण इस्लामाबाद सहित पाकिस्तान के कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुई है। मीडिया में आई कुछ खबरों के मुताबिक जुलाई के मध्य से खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में वर्षाजनित घटनाओं में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। गौरतलब है कि पेशावर, इस प्रांत की राजधानी है।